रजिस्ट्री सं. डी. एल.—33004/95 REGD. NO. D.L.—33004/95

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 27, 1995/आश्विन 5, 1917
No. 44] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 27, 1995/ASVINA 5, 1917

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया

(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अधीन)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1995

फा. सं. 101/23/लेखा.—31 मार्च, 1995 को समाप्त वर्ष की दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद् की पन्द्रहवीं वार्षिक रिपोर्ट ।

1. प्रस्तावना

1.1 कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18 की उपधारा (5) के अनुसरण में दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज की परिषद् की 31 मार्च, 1995 की 15वीं वार्षिक रिपोर्ट और इस अवधि के लेखों का परीक्षित विवरण तथा उन पर इंस्टीट्यूट के कामकाज की लेखापरीक्षक रिपोर्ट प्रकाशित करती है।

1.2 इंस्टीट्यूट के इतिहास में पिछला वर्ष महत्वपूर्ण रहा । इंस्टीट्यूट ने सचिव व्यवसाय के बारे में विशेष रूप से विद्यार्थियों में तथा सामान्य रूप से आम लोगों में और अधिक जागरूकता पैदा करने के लिये समन्वित और संगठित प्रयास किये, जिसके अत्यंत उत्साहवर्धक परिणाम निकले हैं। 1994-95 के दौरान विद्यार्थियों के पंजीकरण में 1993-94 की तुलना में 50.78% की वृद्धि हुई। इंस्टीट्यूट के इतिहास में विद्यार्थियों के पंजीकरण में इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी नहीं हुई थी। इंस्टीट्यूट की वित्तीय स्थिति सो बढ़ती हुई दिखाई पड़ती है । 31 मार्च, 1995 को रिजर्व की कुल राशि 692.43 लाख रुपये हो गई जबकि 31 मार्च, 1994 को यह 462.18 लाख रुपये थी ।

1.3 31 मार्च, 1995 को समाप्त वर्ष में इंस्टीट्यूट की कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों को रूपरेखा अगले पैराग्राफों में दी गई है ।

2. नई घटनायें

2.1 22वां राष्ट्रीय कंपनी सचिव सम्मेलन

11 अगस्त से 13 अगस्त, 1994 तक गोवा में 22वां राष्ट्रीय कंपनी सचिव सम्मेलन का आयोजन किया गया । भागीदारी और विचार-विमर्श दोनों दृष्टियों से यह सम्मेलन अत्यंत सफल रहा । सम्मेलन में लगभग 550 प्रतिनिधियों ने भाग लिया ।

2.2 आई सी एस ए के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य अधिशासी का इंस्टीट्यूट में आगमन ।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड सेक्रेटरी तथा एडमिनिस्ट्रेटर्स, लंदन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्टीफन बिस्टो तथा उसके अन्तर्राष्ट्रीय

मुख्य अधिकारी एफ जे आइंसवर्थ ने 3 फरवरी, 1995 को इंस्टीट्यूट के मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष, परिषद् सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपसी सहयोग और विचार विमर्श के बारे में विस्तृत चर्चा की। हमारे सदस्यों और विद्यार्थियों को आई सी एम ए द्वारा मान्यता प्रदान कराने के दृष्टिकोण से उनके बीच बातचीत जारी है। ऐसी मान्यता प्राप्त होने पर हमारे सदस्यों और विद्यार्थियों के लिये प्रगति के और अधिक रास्ते और अवसर खुल जायेंगे।

2.3 पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं में पञ्च-सदस्यता अर्हता पाठ्यक्रम

केन्द्र सरकार ने पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं के संबंध में पञ्च-सदस्यता अर्हता कार्यक्रम शुरू करने के लिये इंस्टीट्यूट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिये विनियमों की अधिसूचना भारत के राजपत्र—असाधारण भाग—3, खंड 4 दिनांक 21 फरवरी, 1995 में प्रकाशित हो चुकी है। इस पाठ्यक्रम को नवंबर, 1995 से आरंभ किये जाने की संभावना है।

2.4 सी सी आर टी भवन परियोजना

महत्वपूर्ण सी सी आर टी परियोजना के लिये भूमि का विकास पहले ही किया जा चुका है और 16 अप्रैल, 1995 को आई सी एम आई के अध्यक्ष ने भूमि पूजन का अनुष्ठान संपन्न किया। भवन निर्माण का पहला चरण 30 जून, 1996 तक पूरा हो जाने की संभावना है, जिसके लिए पहले ही ठेका दिया जा चुका है।

3. परिषद्

3.1 कंपनी सचिव विनियमावली, 1992 के प्रावधानों के अनुसार परिषद् के चुनाव दिसंबर 1994 में संपन्न हुये। चुनाव परिणामों की सूचना 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' के जनवरी, 1995 के अंक में प्रकाशित की गई।

3.2 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

नव निर्वाचित परिषद् की प्रथम बैठक 1 जनवरी, 1995 को हुई जिसमें 1 जनवरी, 1995 से एक वर्ष के लिये श्री य. के. चौधरी को अध्यक्ष और डा. के. आर. चन्द्राबे को उपाध्यक्ष चुना गया। परिषद् ने वर्ष 1994 की इंस्टीट्यूट की विगत परिषद् द्वारा की गई मूल्यवान सेवाओं के लिये उसकी सराहना की।

3.3 बैठकें

समिति की विभिन्न बैठकों के अलावा परिषद् ने 1994-95 के दौरान 7 बैठकें आयोजित की गई।

3.4 समितियां आदि

परिषद् द्वारा गठित विभिन्न समितियों, विशेषज्ञ ग्रुपों और परामर्शी बोर्डों का विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'क' में दिया गया है।

3. क्षेत्रीय परिषदें और शाखायें

4.1 चारों क्षेत्रीय परिषदों का कार्यकाल 31 दिसंबर, 1994 को पूरा हो जाने पर 1 जनवरी, 1995 से अगले तीन वर्ष के लिये इनका पुनर्गठन किया गया। कंपनी सचिव विनियमावली, 1981 के प्रावधानों के अनुसार क्षेत्रीय परिषदों के चुनाव दिसंबर, 1994 में कराये गये। इनके चुनाव परिणामों की सूचना 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' के जनवरी 1995 के अंक में प्रकाशित की गई। नव निर्वाचित क्षेत्रीय परिषदों ने 1 जनवरी, 1995 से कार्यभार संभाल लिया।

4.2 चारों क्षेत्रीय परिषदों ने जोर-शोर और बड़े उत्साह से अपनी गतिविधियों और कार्यों को संपन्न करने हुये परिषद् को अपना समर्थन और सहायता प्रदान की। क्षेत्रीय परिषदों ने कैरियर मेले, फोन पर कार्यक्रम, विचार गोष्ठियां और कार्यशालायें, सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एम एम टी पी) मौखिक शिक्षण कक्षायें, विद्यार्थियों को मार्ग दर्शन करने के लिये बैठकें, स्टडी सर्किल की बैठकें तथा क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया। उन्होंने बड़े पैमाने पर पुस्तकालयों को अद्यतन करने, न्यूज बुलेटिन प्रकाशित करने, आंकड़े रख कर सदस्यों को रोजगार सेवा उपलब्ध कराने, सदस्यों/विद्यार्थियों को सूचना प्रदान करने, इंस्टीट्यूट के प्रकाशनों की बिक्री करने जैसी अनेक गतिविधियां भी संपन्न की। 31 मार्च, 1995 को प्रत्येक परिषद् के रिजर्व और अधिशेष की स्थिति तथा प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद् में सदस्यों तथा विद्यार्थियों की संख्या का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

मद	पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद्	उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद्	दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद्	पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद्
1	2	3	4	5
(क) वित्तीय स्थिति :				
(i) अधिशेष 1994-95 (रु.)	1,61,168	4,84,923	1,29,086	82,817
(ii) (31 मार्च 1995 को) रिजर्व	11,51,287	35,05,937	13,44,762	5,75,572
(ख) नियत पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की संख्या				
31 मार्च, 1995 को	14,373	24,378	22,155	18,402
31 मार्च, 1994 को	12,640	18,150	18,990	15,530
1994-95 के दौरान % वृद्धि	13.7%	34.3%	16.7%	18.5%

1	2	3	4	5
(ग) फाउंडेशन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की संख्या				
31 मार्च 1995 को	4,311	11,074	4,398	4,102
31 मार्च 1994 को	1,417	3,556	1,425	1,072
1994-95 के दौरान % वृद्धि (वार्षिक आधार पर)	77.5%	81.7%	80.0%	123.2%
(घ) सदस्यों की संख्या				
31 मार्च 1995 को	1,368	2,559	2,589	3,490
31 मार्च 1994 को	1,290	2,359	2,397	3,282
1994-95 के दौरान % वृद्धि	6.0%	8.8%	8.0%	6.3%

4.3 शाखायें

1994-95 के दौरान 36 शाखाओं की प्रबंध समितियों का पुनर्गठन किया गया और कंपनी सचिव विनियमावली, 1982 तथा सचिव शाखाओं की मार्ग निर्देशिका 1983 के प्रावधानों के अनुसार 1995-97 की कार्यावधि के लिये प्रबंध समिति के चुनाव कराये गये। इस वर्ष के दौरान शाखाओं में विद्यार्थियों को शिक्षण और प्रशिक्षण देने तथा सदस्यों के लिये व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित करने की अनेक गतिविधियां संपन्न की गईं। इस वर्ष क्षेत्रीय परिषदों और शाखा स्तर तक गतिविधियों के विकेन्द्रीकरण के प्रमुख उद्देश्य को सामने रख कर क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को भवन अनुदान और वार्षिक अनुदान देने संबंधी मार्गनिर्देशों को और अधिक उदार बनाया गया। इस उदार अनुदान का लाभ उठा कर इस वर्ष वडोदरा शाखा ने अपना भवन ले लिया है। आज तक जिन शाखाओं के अपने कार्यस्थल हैं उनके नाम इस प्रकार हैं:—

गाजियाबाद, जयपुर, कानपुर, बंगलौर, हैदराबाद, अहमदाबाद, भोपाल, डोमबीवलि, गोवा, पुणे और वडोदरा।

4.4 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार

1993 के सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार गोवा में आयोजित 22वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में निम्नलिखित शाखाओं को दिये गये :

(क) सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा और आर.बी.जी. एम मोदी सर्वोत्तम शाखा—कानपुर

(ख) सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखायें :

पूर्व—पटना

उत्तर—कानपुर

दक्षिण—बंगलौर

पश्चिम—पुणे

5. सदस्य

5.1 सदस्यों और प्रैक्टिस प्रमाणपत्र धारियों की संख्या में वृद्धि

पिछले 5 वर्षों में सदस्यों और प्रैक्टिस प्रमाणपत्र धारियों की संख्या में वृद्धि

	31 मार्च 91	31 मार्च 92	31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95
एसोसिएट	6095	6364	6789	7119	7598
फैलो	1728	1943	2059	2209	2408
प्रैक्टिस प्रमाणपत्रधारी	1188	1102	609	699	735

1994-95 के दौरान 752 एसोसिएट सदस्य तथा 226 फैलो सदस्यों को प्रविष्ट किया गया । 31 मार्च 1995 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 10006 सदस्य दर्ज थे, जिसमें से 7598 एसोसिएट और 2408 फैलो सदस्य थे । 31 मार्च 1995 को विदेशों में रहने वाले सदस्यों की संख्या 196 थी। इस वर्ष के दौरान परिषद् को 19 सदस्यों की मृत्यु की सूचना देते हुये दुख है।

5.2 1994-95 के दौरान 135 सदस्यों को प्रैक्टिस प्रमाणपत्र जारी किये गये । 31 मार्च 1995 को प्रैक्टिस प्रमाण-पत्रधारियों की सदस्य संख्या 735 थी।

5.3 सदस्यों की सूची

कंपनी सचिव विनियमावली 1982 के विनियम 161 के साथ पठित कंपनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल, 1995 की स्थिति के अनुसार सदस्यों की पूरी सूची प्रकाशित की गई है, जिसमें कुछ अतिरिक्त सूचना जैसे सदस्यों के निवास के पते, टैलीफोन नंबर, फैक्स नंबर, व्यावसायिक स्थल के पते दिये गये हैं । सदस्यों को यह सूची उनके अनुरोध पर सप्लाई की जायेगी। सदस्यों के बीच बेहतर संप्रेषण तथा परस्पर विचार विमर्श के लिये अतिरिक्त सूचना सूची में शामिल की गई है।

5.4 1994-95 के वर्ष में सदस्यों के विरुद्ध व्यावसायिक या अन्य कदाचार की पांच शिकायतें मिलीं। इनमें से दो शिकायतों का निपटान कर दिया गया है।

6. व्यावसायिक विकास और अनवरत शिक्षा कार्यक्रम

इंस्टीट्यूट ने व्यावसायिक विकास की गतिविधियों के रूप में 1994-95 में 6 व्यावसायिक कार्यक्रम किये जिनमें 22वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल है। इनका विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ख' में दिया गया है।

7. प्रकाशन

7.1 "चार्टर्ड सैक्रेटरी"

इंस्टीट्यूट पिछले 25 वर्षों से मासिक जर्नल का प्रकाशन कर रहा है। इस वर्ष इसकी गुणवत्ता और नवीनतम सूचना प्रदान करने की स्थिति यथावत निरंतर बनाये रखी गई, अतः इसमें सरकार की नवीनतम अधिसूचनायें, कानूनी निर्णय और ज्ञानवर्धक लेख आदि प्रकाशित किये गये । यह जर्नल सदस्यों के बीच संप्रेषण का प्रभावकारी माध्यम है तथा कंपनी से जुड़े व्यावसायिक लोगों में बहुत लोकप्रिय है।

1994-95 में जर्नल के निम्नलिखित विशेषांक प्रकाशित किये गये :—

(क) केन्द्रीय बजट पर अप्रैल 1994 का अंक

(ख) भारतीय प्रवासी/विदेशी निवेश पर नवंबर 1994 का अंक

जर्नल का नाम भी बदल कर "जर्नल आफ कारपोरेट प्रोफेशनल्ज" रखा गया है।

7.2 वार्षिक विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिये मार्गदर्शी नोट

दिसम्बर 1994 में "गाइडेंस नोट आन साइनिंग आफ एनुअल रिटर्न" का संशोधित संस्करण प्रकाशित किया गया था जिसमें हस्ताक्षर करने के तरीके के बारे में विस्तृत मार्गनिर्देश तथा अनेक विषयों पर स्पष्टीकरण शामिल किये गये थे। इंस्टीट्यूट ने सरकार द्वारा निर्धारित वार्षिक विवरण के नये फार्मेट को ध्यान में रख कर इसके संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

7.3 गाईड टू कंपनी सैक्रेटरी इन प्रैक्टिस

जो सदस्य पहले ही प्रैक्टिस कर रहे हैं या जो प्रैक्टिस करने की योजना बना रहे हैं, ऐसे सभी सदस्यों के प्रयोग के लिये इंस्टीट्यूट ने मार्च 1995 में 'ए गाईड टू कंपनी सैक्रेटरी इन प्रैक्टिस' पुस्तिका का प्रकाशन किया है।

8. विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप

8.1 विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप

भारत के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस के.एन. सिंह की अध्यक्षता में पुनर्गठित विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप सदस्यों को कंपनी विधि और आर्थिक विधियों से संबंधित जटिल समस्याओं पर विशेषज्ञ परामर्शी सेवायें प्रदान करता रहा है । विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप द्वारा दी गयी सम्मतियों का प्रकाशन "चार्टर्ड सेक्रेटरी" के जनवरी 1995 के अंक में किया गया।

8.2 विशेषज्ञों का कोर ग्रुप :

विशेषज्ञ कोर ग्रुप को निगम विधियों, पूंजी बाजार, कारोबार, लेखांकन और वित्त विषयों पर विशिष्टता प्राप्त है; इस वर्ष इसका पुनर्गठन किया गया; इस ग्रुप का कार्य यह है कि वह सरकार, सेबी, स्टॉक एक्सचेंजों, सरकार द्वारा गठित समितियों/अध्ययन ग्रुपों तथा अन्य निकायों को दिये जाने वाले अभ्यावेदनों को अंतिम रूप देने के लिये सदस्यों/विशेषज्ञों से टिप्पणियां प्राप्त करें ।

9. व्यवसाय को प्राप्त मान्यतायें

9.1 इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष को कंपनी अधिनियम, एम आर टी पी अधिनियम और आई सी एस आई, आई सी ए आई तथा आई सी डब्लू ए आई से संबंधित अधिनियमों की समीक्षा के लिये कंपनी कार्य विभाग द्वारा गठित तीन समितियों का सदस्य बने रहने का सौभाग्य प्राप्त रहा; वे सेबी द्वारा प्राइमरी मार्केट संबंधी गठित परामर्शी समिति के भी सदस्य बने रहे । अध्यक्ष महोदय को सेबी द्वारा गठित उस समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया है, जो "आफर डाक्यूमेंट" में आवश्यक जानकारी प्रकट करने संबंधी अपेक्षाओं की समीक्षा के लिये बनी है ।

9.2 निम्नलिखित विश्वविद्यालयों ने पीएच डी पाठ्यक्रम के लिये पंजीकरण कराने के वास्ते इंस्टीट्यूट की कंपनी सचिव अर्हता को मान्यता प्रदान कर दी है ।

(क) काकात्या विश्वविद्यालय, वारंगल, आन्ध्र प्रदेश

(ख) कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शिमोगा, जिला कर्नाटक

(ग) उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव, महाराष्ट्र

(घ) डा. बाबा साहब आम्बेडकर विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र

(ङ) रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश

(च) कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़, कर्नाटक

10. विद्यार्थी सेवाएं

10.1 पंजीकरण

इंस्टीट्यूट, क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा कंपनी सचिव व्यवसाय के बारे में लोगों तक संदेश पहुंचाने और इस व्यवसाय के बारे में जागरूक करने तथा इस क्षेत्र में बनने जा रहे अवसरों की जानकारी देने के लिये समन्वित और संगठित प्रयास किये गये, जिसके फलस्वरूप नियमित पाठ्यक्रमों और फाउंडेशन पाठ्यक्रमों दोनों में ही पंजीकरण की स्थिति अत्यंत उत्साहपूर्वक रही । वर्तमान रुझान से पता चलता है कि जो विद्यार्थी इस करियर में प्रवेश करने वाले है, उनमें इस व्यवसाय को अपनाने की रुचि और लोकप्रियता बढ़ती जा रही है ।

10.2 नियमित पाठ्यक्रम

पिछले पांच वर्षों में पंजीकृत विद्यार्थी

	1990–91	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95
पंजीकृत विद्यार्थी	12162	13613	13612	16601	25032
पिछले वर्ष की तुलना में % वृद्धि	—	11.9%	(—) 0.01%	21.9%	50.8%

1994–95 के दौरान 25032 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया जबकि 1993–94 में 16601 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था जिससे 50.78% वृद्धि का पता चलता है।

31 मार्च 1995 को विद्यार्थियों के चालू पंजीकरण की संख्या 77627 है ।

पिछले पांच वर्षों के दौरान कुल पंजीकृत विद्यार्थियों में वृद्धि

	31 मार्च 91	31 मार्च 92	31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95
कुल विद्यार्थी (वर्तमान)	50860	55442	60081	65385	77,627
पिछले वर्ष की तुलना में % वृद्धि	—	9.0%	8.1%	8.5%	18.7%

10.3 फाउंडेशन पाठ्यक्रम

पिछली वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया था कि, 10+2 परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों के लिये फाउंडेशन कार्यक्रम 30 अगस्त, 1993 से शुरू किया गया था । 1994–95 में इस पाठ्यक्रम के लिये 16415 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। 31 मार्च 1995 को फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिये पंजीकृत उन विद्यार्थियों की संख्या 23885 थी।

10.4 शिक्षण

फाउंडेशन पाठ्यक्रम और नियमित पाठ्यक्रम में प्रविष्ट विद्यार्थियों को अनिवार्य डाक शिक्षण प्राप्त करने के लिये उनके नाम दर्ज किये जा रहे हैं और उन्हें आवश्यक अध्ययन सामग्री दी जा रही है । विकेन्द्रीकरण करने के लिये पश्चिम भारत क्षेत्रीय परिषद को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रीय परिषदें इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की सुविधा प्रदान कर रही हैं । दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद इसके अलावा फाइनल पाठ्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन करने की सुविधा भी दे रही है ।

10.5 विद्यार्थियों को प्रदत्त सेवायें/सुविधायें

इंस्टीट्यूट का यह प्रयास रहा है कि इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं की तैयारी और विद्यार्थियों को अद्यतन जानकारी देने के लिए नियमित रूप से संप्रेषण रखने के वास्ते विद्यार्थियों को अच्छी से अच्छी सुविधायें दी जाएं; इस बारे में निम्नलिखित गतिविधियां उल्लेखनीय हैं ।

(क) स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी

इंस्टीट्यूट नियमपूर्वक अपना मासिक बुलेटिन "स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी" प्रकाशित कर रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य कंपनी सचिवीय पाठ्यक्रम के प्रशासन के संबंध में हुए विधायी सम्मेलनों, अध्ययन और सूचना के बारे में अद्यतन जानकारी देना है । यह बुलेटिन नियमित पाठ्यक्रम के वर्तमान विद्यार्थियों को निःशुल्क भेजा जाता है ।

(ख) कंपनी सचिव फाउंडेशन पाठ्यक्रम बुलेटिन

यह द्विमासिक बुलेटिन है जो फाउंडेशन पाठ्यक्रम के सभी वर्तमान विद्यार्थियों को फाउंडेशन पाठ्यक्रम से संबंधित इंस्टी-

ट्यूट की गतिविधियों और उनके अध्ययन क्षेत्र में चल रही नवीनतम घटनाओं की सूचना देने के लिए निःशुल्क भेजा जाता है।

(ग) कंपनी सचिव गाइड – अध्ययन और परीक्षा

ये पुस्तिका सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को निःशुल्क भेजी जाती है ताकि उन्हें इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं की तैयारी के बारे में मार्गनिर्देशन दिया जा सके।

(घ) आई सी एस आई – आई सी डब्ल्यू ए आई के बीच अकादमी सहयोग के आधार पर व्यवस्था।

आई सी डब्ल्यू ए आई द्वारा संशोधित पाठ्यचर्या आरम्भ करने के फलस्वरूप आई सी एस आई और आई सी डब्ल्यू ए आई के बीच 8 दिसंबर 1994 से प्रश्न पत्रों की छूट के बारे में आपस में एक नया द्विपक्षीय समझौता हुआ है। इस बारे में विवरण नियमित रूप से "स्टूडेंट्स बुलेटिन" में प्रकाशित होते है।

10.6 मौखिक शिक्षण

क्षेत्रीय परिषदों, शाखाओं और आई सी एस आई के मौखिक शिक्षण द्वारा विद्यार्थियों के लिए मौखिक शिक्षण कक्षाओं की सुविधा पूरे भारत में 38 केन्द्रों पर दी जा रही है।

फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए भी मौखिक शिक्षण कक्षायें आयोजित की जा रही हैं।

10.7 पुस्तकालय सुविधायें

1994–95 के दौरान सभी चार क्षेत्रीय कार्यालयों, 36 शाखाओं और आई सी एस आई के सहयोगी मौखिक शिक्षण केन्द्रों ने, जो राउरकेला, गंजम (उड़ीसा) अंबाला, कालीकट, और नासिक, गुड़गांव और विजयवाड़ा में उपग्रह पुस्तकालय योजना के अन्तर्गत काम कर रहे हैं, इंस्टीयूट्ट के पुस्तकालयों को अद्यतन करने के विशेष अनुदान में नवीनतम संस्करणों की पुस्तकें जोड़ी हैं। लगातार यह प्रयास है कि इन पुस्तकालयों को अद्यतन किया जाए और अन्य स्थानों पर भी पुस्तकालय खोले जाएं।

10.8 मार्गनिर्देशी उत्तर और विषयवार प्रश्न पत्र

1994–95 में जून 1994 तथा दिसम्बर 1994 की परीक्षाओं के मार्गदर्शी उत्तर तथा फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के सभी विषयों के विषयवार प्रश्न पत्र प्रकाशित किये गये और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये गये।

10.9 अध्ययन सामग्री का संशोधन/अद्यतनीकरण

फाउंडेशन इंटरमीडिएट और फाइनल पाठ्यक्रमों की अध्ययन सामग्री का नियमित रूप से संशोधन/अद्यतन करने का काम जारी है। "स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी" और "कंपनी सचिव फाउंडेशन पाठ्यक्रम बुलेटिन" के जरिये विद्यार्थियों को इन अद्यतन क्षेत्रों की सूचना दी जाती है।

11. परीक्षाएं

11.1 परीक्षाओं का आयोजन

1994–95 के दौरान जून और दिसंबर 1994 में देश भर में क्रमशः 36 और 38 केन्द्रों पर कंपनी सचिवों की फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षायें आयोजित की गईं। एक केन्द्र विदेश (दुबई) में भी था। 1994–95 के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुये विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है :—

	जून 1994	दिसंबर 1994	कुल योग
फाउंडेशन	348	821	1169
इंटरमीडिएट	679	967	1646
फाइनल	395	571	966

परीक्षा केन्द्रों की सूची और परीक्षा परिणाम से संबंधित आंकड़े क्रमशः इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ग" और "घ" में दिये गये हैं।

11.2 परीक्षाओं में हिन्दी माध्यम

हिन्दी को प्रोत्साहन देने के लिये इंस्टीट्यूट अपनी सभी परीक्षाओं के लिये हिन्दी को एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में अनुमति दे रहा है।

11.3 पुरस्कार/योग्यता प्रमाण पत्र/छात्रवृत्तियां

विद्यार्थियों को अच्छे से अच्छा प्रयास करने की दिशा में प्रोत्साहित करने के लिये इंस्टीट्यूट विभिन्न पुरस्कार, योग्यता प्रमाण पत्र/छात्रवृत्तियां प्रदान कर रहा है ? जून और दिसंबर 1994 की परीक्षाओं के लिये अखिल भारतीय प्रेजीडेंट पुरस्कार निम्नलिखित विद्यार्थियों को दिये गये :

पाठ्यक्रम	जून 1994 का सत्र	दिसंबर 1994 का सत्र
इंटरमीडिएट	सुश्री सरोज अग्रवाल	श्री संजय खत्री
फाइनल	श्री प्रकाश रूइया	श्री के एस अग्रवाल

इसके अलावा दिसंबर 1994 के सत्र से फाउंडेशन पाठ्यक्रम के 25वें रैंक, इंटरमीडिएट में 20वें रैंक और फाइनल परीक्षा में 10वें रैंक तक आने वाले विद्यार्थियों को योग्यता प्रमाण पत्र दिये जाते हैं। इसके अलावा फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सबसे ऊपर के 15 स्थानों तक के लिये योग्यता छात्रवृत्तियां दी जाती हैं तथा योग्यता एवं साधन सहायता योजना के अन्तर्गत योग्य अभ्यर्थियों को वित्तीय सहायता मंजूर की जाती है।

12 प्रशिक्षण

12–1 पैनल

प्रशिक्षण देने के लिये पैनल पर दर्ज कंपनियों की संख्या में वृद्धि

	31 मार्च 91	31 मार्च 92	31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95
प्रबंध	548	613	728	851	1038
प्रेक्टिकल	957	1035	1146	1248	1418
प्रशिक्षु	101	125	140	170	191

इंस्टीट्यूट का इस बारे में प्रयास जारी है कि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिये और कंपनियां हमारे पैनल पर लाई जा सकें। 1994–95 के दौरान प्रबंध प्रशिक्षण देने के लिये 187 कंपनियां पैनल पर थीं और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिये 170 कंपनियां पैनल पर थी। 31 मार्च 1995 के दिन प्रबंध प्रशिक्षण, व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रशिक्षु प्रशिक्षण के लिये क्रमशः 1038, 1418 और 191 कंपनियां हमारे पैनल पर थीं।

12.2 प्रशिक्षण प्रदान करना।

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या

	1990–91	1991–92	1992–93	1993–94	1994–95
प्रबंध	129	123	192	193	316
प्रेक्टिकल	664	625	518	611	458
प्रशिक्षु	68	87	96	83	60

1994–95 के दौरान 316 विद्यार्थियों को प्रबंध प्रशिक्षण प्रदान किया गया, 458 विद्यार्थियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 60 थी।

12.3 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

1994–95 के दौरान उपर्युक्त 22 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 685 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के लिये माड्यूलर/पाठ्यक्रम सामग्री का संशोधन निगम क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों और प्रबंध कार्य में उत्कृष्टता हासिल करने को ध्यान में रखते हुये किये जा रहे हैं।

13. जनसंबंध और संपर्क

13.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान देश भर में कंपनी सचिवों के व्यवसाय के प्रति और अधिक जागरूकता पैदा करने के प्रयास के संबंध में जनसंपर्क मजबूत होता दिखाई पड़ा। इन प्रयासों में मुख्य बल विद्यार्थियों का ध्यान इस व्यवसाय में भविष्य में प्राप्त अवसरों के बारे में विभिन्न चैनलों/माध्यमों के जरिये उनका ध्यान आकर्षित करने पर दिया गया और साथ ही सामान्य रूप से लोगों में इस व्यवसाय की उपयोगिता और कंपनी सचिवों द्वारा निभायी जा रही विभिन्न भूमिकाओं की तरफ जागरूकता पैदा करने पर भी ध्यान दिया गया ताकि कंपनी सचिवों को इन क्षेत्रों में स्वीकार किये जाने में वृद्धि हो सके और उनके अवसरों का दायरा व्यापक बन सके। 1994–95 के दौरान प्रमुख रूप से जनसंबंध और जनसंपर्क संबंधी गतिविधियों का विवरण नीचे प्रस्तुत है :—

(क) फाउंडेशन कार्यक्रम के बारे में सूचना देने के लिये पूरे देश भर में अखबारों में विज्ञापन दिये गये।

(ख) विभिन्न स्कूलों और कालेजों के साथ लगातार संपर्क बनाये रखा गया और विद्यार्थियों को कैरियर संबंधी वार्तायें और शैक्षिक प्रदर्शनियों का आयोजन करके फाउंडेशन तथा नियमित पाठ्यक्रम के बारे में अवगत कराया गया।

(ग) इंस्टीट्यूट निम्नलिखित कैरियर मेलों में भाग लिया :

(1) 3–5 जून 1994 को "कैरियररामा" 94

(2) 29–30 अक्तूबर 1994 को एआईईएसईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय का कैरियरमेला

(3) 24 से 27 नवंबर 1994 को इंडिया इंटरनेशनल ट्रेनिंग एंड एजुकेशन कैरियर मेला।

(4) 23 दिसंबर 1994 को पानीपत में उद्यमशीलता और कैरियर गाइडेंस कैंप।

(5) 7 और 8 जनवरी 1995 को फरीदाबाद में प्रबंध और कम्प्यूटर प्रदर्शनी

(घ) जुलाई 1994 में दूरदर्शन ने राष्ट्रीय नेटवर्क पर आईसीएसआई की फिल्म "कैरियर एज ए कंपनी सेक्रेटरी" का प्रसारण किया और बाद में भी इसका प्रसारण दोहराया गया।

(ङ) 9 अक्तूबर, 1994 को जीटीवी ने "हम होंगे कामयाब" शीर्षक से हमारे व्यवसाय के बारे में आधे घंटे का एक विशेष कैरियर उन्मुखी कार्यक्रम का प्रसारण किया जिसे उसने 15 दिन के बाद फिर प्रसारित किया।

(च) 27 जुलाई, 1994 को युववाणी कार्यक्रम में आकाशवाणी ने इंस्टीट्यूट के संबंध में हमारे अध्यक्ष के साथ एक इंटरव्यू का प्रसारण किया।

(छ) प्रमुख समाचार पत्रों के युवा और कैरियर कॉलमों में कंपनी सचिवों के व्यवसाय के बारे में विशेष कैरियर लेख नियमित रूप से प्रकाशित किये गये ।

(ज) हमारे अध्यक्ष ने गोवा में होने वाले कंपनी सचिवों के 22वें राष्ट्रीय सम्मेलन से पूर्व नई दिल्ली में प्रेस सम्मेलन को संबोधित किया जिसके बारे में मीडिया में बहुत अच्छी प्रतिक्रिया हुई । सम्मेलन शुरू होने से एक दिन पूर्व गोवा में हमारे अध्यक्ष ने एक और प्रेस सम्मेलन को संबोधित किया जिसके बारे में गोवा मीडिया में अत्यधिक प्रचार प्रसार हुआ । इस सम्मेलन की कार्यवाही को भी प्रेस और दूरदर्शन ने व्यापक रूप से प्रचारित प्रसारित किया । गोवा के स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों ने भी सम्मेलन के विषय पर विशिष्ट समाचारपत्र परिशिष्ट प्रकाशित किये ।

(झ) अक्तूबर 1994 में यूनीवार्ता और यू.एन.आई. के साथ हमारे सचिव की इंस्टीट्यूट की विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में दी गई भेंटवार्ता को देश भर के प्रमुख दैनिक समाचारपत्रों ने प्रकाशित किया।

(ट) 1 फरवरी को जैन सेटेलाइट टीवी ने हमारे अध्यक्ष का इंटरव्यू लिया; जैन बिजनेस न्यूज में 20 मिनट की इस रिकार्डिंग का प्रसारण किया गया।

(ठ) 16 और 17 मार्च 1995 को सभी समाचार पत्रों ने केन्द्रीय बजट के बारे में हमारे अध्यक्ष के विचारों को प्रकाशित किया और दूरदर्शन-1 तथा जैन सेटेलाइट टीवी ने इनका प्रसारण भी किया।

(ड) अध्यक्ष महोदय ने मद्रास, हैदराबाद बड़ौदरा और बंगलौर में अनेक प्रेस सम्मेलनों को सम्बोधित किया, जिसे मीडिया ने व्यापक रूप से प्रचारित किया।

(ढ) इंस्टीट्यूट ने अपनी विभिन्न गतिविधियों और विभिन्न विषयों पर अपनी प्रतिक्रियाओं के बारे में नियमित रूप से अनेक प्रेस विज्ञप्तियां जारी कीं जिनका प्रकाशन प्रमुख समाचार पत्रों में हुआ।

13.2 1994-95 के दौरान विभिन्न प्रकार के जनसंबंधों और जनसंपर्क गतिविधियों के कारण सामान्य रूप से इस व्यवसाय के बारे में काफी अधिक जागरूकता बढ़ी है। विद्यार्थियों के पंजीकरण में वृद्धि और विभिन्न संस्थाओं द्वारा इस व्यवसाय को और अधिक स्वीकार किये जाने के प्रति रुझान को देखते हुये हमारी यह धारणा सिद्ध होती है ।

14. लेखे

14.1 अधिशेष

1994-95 के लेखों की समाप्ति में 205.73 लाख रुपये का अधिशेष है । इंस्टीट्यूट के इतिहास में इतना अधिक अधिशेष पहले कभी दिखाई नहीं पड़ा और 1993-94 वर्ष के अधिशेष की तुलना में यह 149% अधिक है । पिछले पांच वर्षों में जो अधिशेष बना है और 1994-95 के आय और व्यय का विवरण नीचे प्रस्तुत है।

पिछले पांच वर्षों में अधिशेष की स्थिति (लाख रुपयों में)

1990-91	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
8.16	1.74	41.20	82.67	205.73

1994-95 के दौरान आय (लाख रुपयों में)

आय का शीर्ष	राशि	आय का शीर्ष	राशि
सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क	593.93	जर्नल और बुलेटिन	40.40
जर्नल/बुलेटिन के अभिदान/विज्ञापन	19.79	क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अनुदान	21.84
प्रकाशनों की बिक्री	47.70	परीक्षायें	27.44
निवेश पर ब्याज	29.60	अन्य	152.48
अन्य	27.54	योग	512.83
योग	718.56		

1994-95 के दौरान व्यय (लाख रुपयों में)

व्यय का शीर्ष	राशि
स्थापना	149.59
डाक शिक्षण	93.77
प्रकाशन और स्टेशनरी	27.31

14.2 रिजर्व

(क) सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष 31 मार्च 1994 को जो सामान्य रिजर्व 431.37 लाख रुपये था वह अब बढ़ कर 31 मार्च 1995 को 647.22 लाख रुपये हो गया है ।

सामान्य रिजर्व में वृद्धि (लाख रुपयों में)

	31 मार्च 91	31 मार्च 92	31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95
(क) सामान्य रिजर्व	203.48	230.05	289.18	431.37	647.22
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि	—	13.1%	25.7%	49.2%	50.0%

(ख) स्थायी परिसंपत्ति रिजर्व

1994-95 में क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से अंशदान के रूप में प्राप्त 7.62 लाख रुपये और भूमि के अधिग्रहण और भवनों के लिये 2.50 लाख रुपये का प्राप्त सीधे दान का पूंजीकरण कर दिया है ।

(ग) पूंजी रिजर्व

सदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क के पूंजी रिजर्व का पूंजीकरण किया गया है । यह राशि 31 मार्च, 1995 को 33.53 लाख रुपये थी, जबकि 31 मार्च, 1994 को यह राशि 30.82 लाख रुपये थी ।

14.3 सांविधिक लेखा परीक्षा

कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18(4) के अनुसरण में मैसर्स खन्ना एंड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली को 31 मार्च, 1995 को समाप्त वर्ष के लेखों की लेखापरीक्षा के लिये नियुक्त किया गया। लेखा परीक्षा की रिपोर्ट लेखा विवरण के साथ प्रकाशित की गई है ।

14.4 आन्तरिक लेखा परीक्षा

इंस्टीट्यूट की विकासात्मक गतिविधियों में वृद्धि को देखते हुये मैसर्स ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एंड कंपनी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली को वर्ष 1994 के लिये इंस्टीट्यूट का आन्तरिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया। लेखा परीक्षकों से रिपोर्टें प्राप्त हो गई हैं। इन रिपोर्टों के आधार पर गतिविधियों और प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिये आवश्यक कार्यवाही की गई हैं ।

15. भूमि और भवन

15.1 आईसीएसआई—एन आई आर सी भवन

आईसीएसआई—उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् के भवन को इस वर्ष पूरी तरह से अधिकार में ले लिया है । नये भवन में अध्ययन निदेशालय और फाउंडेशन सेल ने काम करना शुरू कर दिया है । अब उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् का कार्यालय भी इस नई इमारत में काम कर रहा है । आशा है कि उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् का पुस्तकालय 1995-96 के दौरान नये भवन में आ जायेगा ।

15.2 फरीदाबाद शाखा की भूमि

इस शाखा ने फरीदाबाद के सेक्टर 16-ए में हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण (हुडा) से 3.66 लाख रुपये में 500 वर्ग गज का एक भू-खंड खरीदा है । हुडा ने फरीदाबाद शाखा को आवंटन पत्र और कब्जे का पत्र दे दिया है परन्तु इस संपत्ति के बारे में कुछ पुराने विवाद के कारण हुडा ने इस भूखंड का कब्जा अभी शाखा को नहीं सौंपा है । इंस्टीट्यूट इस मामले में अनुवर्ती कार्यवाही कर रहा है। यदि इस भूखंड का कब्जा नहीं मिलता है या कोई अन्य वैकल्पिक भूखंड नहीं दिया जाता है तो इंस्टीट्यूट हुडा से ब्याज समेत अपनी राशि वापस करने की मांग करेगा ।

15.3 बडोदरा शाखा

बडोदरा शाखा ने आफ-टेल टावर—II, आरसी दत्त रोड़, बडोदरा की प्रथम मंजिल पर 2221 वर्ग फुट का एक नया कार्यालय स्थल खरीदा है । इसकी लागत 10 लाख रुपये है। कार्यालय ने इस नये भवन का कब्जा ले लिया है और यहां से अपना कामकाज करना शुरू कर दिया है ।

16. शाखाओं को पूंजीगत अनुदान और ऋण

16.1 इंस्टीट्यूट ने अपनी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को 31 मार्च, 1995 तक अपना कार्यालय भवन लेने के लिये जो कुछ अनुदान और ऋण दिया है उसका ब्यौरा इस प्रकार है ।

(क) अनुदान	85.46 लाख रुपये
(ख) ऋण	97.65 लाख रुपये

हालांकि संसाधन सीमित हैं फिर भी इंस्टीट्यूट का प्रयास है कि क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा अपने कामकाज के लिये भवन लेने के प्रयासों में उनको सहायता करें और इस संबंध में राशि दें । कुछ क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं ने अपने कार्यालय स्थल/भवन परियोजनाओं के लिये संसाधन जुटाने के लिये जबर्दस्त प्रयास किये हैं । परिषद इन क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा किये गये इन प्रयासों की प्रशंसा करती है ।

17. कंपनी सचिव हितकारी निधि

कंपनी सचिव हितकारी निधि के सदस्यों में वृद्धि

सदस्यों की संख्या

31मार्च 91	31 मार्च 92	31 मार्च 93	31 मार्च 94	31 मार्च 95
1097	1165	1309	1472	1750

31 मार्च, 1995 को कंपनी सचिव हितकारी निधि के आजीवन सदस्यों की संख्या 1750 है । पिछले वर्षों में सदस्यों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती गई है । 31 मार्च, 1995 को

हितकारी निधि का पूंजीगत रिजर्व और सामान्य रिजर्व क्रमशः 10.21 लाख रुपये और 6.55 लाख रुपये था । सदस्यों की वृद्धि के साथ आशा है कि आजीवन सदस्यों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के मामले में भविष्य में उन्हें अधिक वित्तीय सहायता दी जायेगी ।

18. मानव संसाधन विकास

सदस्यों और विद्यार्थियों की अत्यधिक वृद्धि के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिये वर्तमान कर्मचारियों को सुचारू रूप से काम करने के लिये विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों और कर्मचारियों के हित के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये । मार्च, 1995 में इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ कार्यों के लिये प्रबंध में "उत्कृष्टता" विषय पर इन-हाऊस प्रबंध विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आने वाले वर्षों में कर्मचारियों की प्रवीणता को और विकसित करने के दृष्टिकोण से इस बारे में और अधिक बल देने का विचार है ।

19. इंस्टीट्यूट की गतिविधियों का कम्प्यूटरीकरण

इंस्टीट्यूट के सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि के कारण तथा सदस्यों और विद्यार्थियों की बेहतर और तेजी से सेवायें प्रदान करने की सामान्य रूप से आशाओं को देखते हुये इंस्टीट्यूट ने अपनी गतिविधियों का इन-हाऊस कम्प्यूटरीकरण करने का निर्णय लिया है । 1995-96 में इस के लिये आवश्यक बुनियादी सुविधायें तैयार करने का इरादा है । आरंभिक उपाय के रूप में इंस्टीट्यूट के निदेशालयों और प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद् और ग्रेड 'ए' और ग्रेड 'ए–1' शाखाओं के कम्प्यूटर और प्रिंटर का प्रावधान किया गया है ताकि इंस्टीट्यूट में कम्प्यूटरीकरण के काम को शुरू किया जा सके ।

20. भावी दृष्टिकोण

कहा जाता है कि भविष्य के सपने भूतकाल के इतिहास से अच्छे होते हैं । किन्तु जहां तक इंस्टीट्यूट और कंपनी सचिवों के व्यवसाय का संबंध है, जहां इसका विगत भविष्य उज्जवल रहा है वहीं भविष्य में और अधिक उज्जवल संभावनायें है । यह भविष्य आज के सदस्यों के हाथों में है । व्यावसायिक सदाचार और नैतिकता के उच्चतम स्तर स्थापित कर, निरंतर अपने व्यावसायिक ज्ञान; अपने दृष्टिकोण में सत्यनिष्ठा, उत्कृष्टता प्राप्त करने के प्रति सदैव प्रयत्नशील रह कर इस व्यवसाय को और भी मजबूत तथा निश्चित आधार दिया जा सकता है । कंपनी विधि तो ऐसा मुख्य आधार रहेगा ही जिसके चारों तरफ व्यवसाय की गतिविधियों का संचालन बना रहेगा, परन्तु ऐसे और भी चुनौतीपूर्ण क्षेत्र सामने आयेंगे, जहां इससे भी अधिक उज्जवल संभावनायें रहेंगी । अतः कंपनी सचिवों को सुरक्षित कंपनी विधि के खोल से बाहर निकल कर आना चाहिये और निःसंकोच रूप से बौद्धिक सम्पदा, पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं से संबंद्ध विधियों, उपभोक्ता संरक्षण विधियों, पर्यावरणीय विधियों तथा ऐसी अनेक उभरती आ रही विधियों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आगे बढ़कर चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में प्रवेश करना चाहिये । इस समय सदस्यों को नई चुनौतियों का सामना करने के लिये पूंजी बाजार और वित्तीय क्षेत्र में जो फर्क है उनकी बारीकियों में गहराई तक पहुंचने की आवश्यकता है । इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर इंस्टीट्यूट द्वारा सदस्यों को विशिष्ट ज्ञान देने के लिये पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं में जो पश्च-सदस्यता डिप्लोमा शुरू किया जा रहा है, वह अत्यधिक सफल सिद्ध होगा । यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि सदस्य अपनी जानकारी को अद्यतन और अधिक से अधिक विशिष्ट बनाये । इसके लिये इंस्टीट्यूट, क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा जो व्यावसायिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं उन से प्रभावकारी ढंग से लाभ उठाना चाहिये । अन्य निगम व्यावसायियों के साथ ठीक निचले स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में इंस्टीट्यूट के शीर्ष स्तर तक आपसी संपर्क से निगम क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ करने में वे बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकेंगे और तथा साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ कर पायेंगे ? कंपनी सेक्रेटरी व्यवसाय में सदस्यों का भविष्य अब ऐसे समय में सामने उभर कर आ रहा है जब वे अपने व्यापक उत्तरदायित्व का निर्वाह करने के लिए सक्षम हैं और तैयार हैं तथा वे काफी आसानी और विश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर सकते हैं । इंस्टीट्यूट कंपनी सचिव व्यवसाय के लिये अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्रदान कराने में पूरे हृदय से अपना संगठित प्रयास करेगा ।

21. आभार

परिषद् केन्द्रीय सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों और विशेष रूप से कंपनी कार्य विभाग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय को मार्गदर्शन प्रदान करने और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में अपना समर्थन देने के लिये आभार प्रगट करती है । परिषद् विभिन्न राज्य सरकारों वित्तीय/औद्योगिक/निवेशक संस्थानों/सामान्य रूप से निगम क्षेत्र और देश के विभिन्न चैम्बर्स ऑफ कामर्स और ट्रेड एसोसिएशनों तथा अन्य एजेंसियों का भी आभार प्रगट करती है, जिन्होंने इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवायें लेने में और निगम विधि, वित्त, प्रबंध तथा संबद्ध क्षेत्रों में इनकी विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान की है । परिषद्, क्षेत्रीय परिषद् और इनकी शाखाओं तथा इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की अपनी ओर से गहन सराहना करती है, जिन्होंने इस रिपोर्टाधीन वर्ष में बड़ी निष्ठा और कर्तव्य की भावना से काम किया ।

कृते इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया की
परिषद्,

नई दिल्ली
तारीख : 31 अगस्त, 1995

यू. के. चौधरी, अध्यक्ष

परिशिष्ट (क)

वर्ष 1995 के लिये परिषद् की स्थायी और अस्थायी समितियों की सूची

I. स्थायी समितियां

1. अनुशासन समिति

यू. के. चौधरी	चेयरमैन
विरेन्द्र गांडा	सदस्य
आर. डी. जोशी	सदस्य

2. परीक्षा समिति

के. आर. चन्द्राव्रे (डा.)	चेयरमैन
गिरीश आहूजा	सदस्य
ए. के. मोदी	सदस्य

3 कार्यकारी समिति

यू. के. चौधरी	चेयरमैन
के. आर. चन्द्राव्रे. (डा.)	सदस्य
आर. डी. जोशी	सदस्य
एम. एस. राघवन	सदस्य
अमित के. सेन	सदस्य

II. अस्थाई समितियां

4. व्यावसायिक विकास समिति

यू. के. चौधरी	चेयरमैन
विवेक अग्रवाल	सदस्य
एस. डी. इसरानी (डा.)	सदस्य
एन के. जैन	सदस्य
एस. के. जैन	सदस्य
आर. कृष्णन	सदस्य
डी. के. प्रहलाद राव	सदस्य
एस. रामचन्द्रन	सदस्य

5. प्रशिक्षण तथा शिक्षण सुविधा समिति

के. आर. चन्द्राव्रे (डा.)	चेयरमैन
विवेक अग्रवाल	सदस्य
गिरीश आहूजा	सदस्य
एस. के. जैन	सदस्य
डी. के. प्रहलाद राव	सदस्य
एस. रामचंद्रन	सदस्य

6. विनियमन समिति

यू. के. चौधरी	चेयरमैन
के. आर. चन्द्राव्रे (डा.)	सदस्य
विरेन्द्र गांडा	सदस्य
एस. डी. इसरानी (डा.)	सदस्य
एस. एम. कुमार	सदस्य
एम. एस. राघवन	सदस्य

7. समन्वय समिति (आई सी ए आई तथा आई सी डब्लू ए आई के साथ समन्वय के लिए)

यू. के. चौधरी	सदस्य
के. आर. चन्द्राव्रे (डा.)	सदस्य
एन. के. जैन	सदस्य
आर. कृष्णन	सदस्य
अमित के. सेन	सदस्य

8. संपादकीय सलाहकार बोर्ड

आर. कृष्णन	चेयरमैन
सुनील चोपड़ा	सदस्य
एस. डी. इसरानी (डा.)	सदस्य
पी. टी. एस. कुमार	सदस्य
यू. पी. माथुर	सदस्य
प्रो. आर. एस. निगम	सदस्य
बी. के. पाल	सदस्य
प्रदीप पुरी	सदस्य
वाई. वेनुगोपाल रेड्डी (डा.)	सदस्य
डी. पी. शर्मा	सदस्य
वी. के. सिघानिया (डा.)	सदस्य

9. विशेषज्ञ सलाहकार ग्रुप

जस्टिस के. एन. सिंह	चेयरमैन
आर. एन. बंसल	सदस्य
एम. एस. कुमार	सदस्य
डी. बी. सक्सेना	सदस्य

10. सी सी आर टी समिति

ए. के. मोदी	चेयरमैन
एन. एल. भाटिया	सदस्य
एस. डी. इसरानी (डा.)	सदस्य
एस. के. जैन	सदस्य
पी. पी. मिस्त्री (डा.)	सदस्य
प्रमोद एस. शाह	सदस्य
चेयरमैन, डब्ल्यू आई आर सी	सदस्य
डब्ल्यू आई आर सी के पदाधिकारी	सदस्य
एस. पी. नारंग (डा.)	सदस्य सचिव
पदेन अधिकारी	
अध्यक्ष, आई सी एस आई	
उपाध्यक्ष, आई सी एस आई	

परिशिष्ट (ख)

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम सेमिनार और सम्मेलन

(क) नई दिल्ली में 29 अप्रैल, 1994 को 'यूरो-इश्यूज' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार इसमें 352 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(ख) कलकत्ता में 2 जुलाई, 1994 को 'एसोचेम' के साथ मिलकर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार-विषय : भारत में एफ आई आई और एफ डी आई के कामकाज से संबंधित नीति और प्रक्रियाएं। 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(ग) गोआ में 11-13 अगस्त 1994 को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की सीमाएं तथा कंपनी सचिव विषय पर कंपनी सचिवों का 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन। लगभग 550 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(घ) नई दिल्ली में 11-12 नवंबर 1994 को एफ आई सी सी आई के साथ मिल कर उभरते पूंजी बाजार और कंपनी पुनर्गठन विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार। 129 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(ङ) बंगलौर में 22-23 दिसंबर 1994 को सार्वजनिक उद्योगों के विभाग के साथ मिलकर कंपनियों से संबंधित कुछ चुने हुये कानूनी और प्रक्रियात्मक पहलुओं पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम। 39 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(च) चंडीगढ़ में 24-25 मार्च 1995 को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स के साथ मिल कर कंपनी बिल और विधि विषय पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम। 115 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(परिशिष्ट-ग)

वर्तमान परीक्षा केन्द्रों की सूची

1. अहमदाबाद
2. इलाहाबाद
3. बंगलौर
4. बड़ौदा
5. भोपाल
6. भुवनेश्वर
7. बंबई-1
8. बंबई-2
9. बंबई-3**
10. कलकत्ता-1
11. कलकत्ता-2
12. चंडीगढ़
13. कोयम्बटूर
14. दिल्ली
15. एर्नाकुलम
16. गाजियाबाद
17. गुवाहाटी
18. हैदराबाद
19. इंदौर
20. जयपुर
21. जम्मू
22. जमशेदपुर
23. जोधपुर
24. कानपुर
25. लखनऊ
26. लुधियाना**
27. मद्रास
28. मदुरई
29. मंगलौर
30. नागपुर
31. पणजी
32. पटना
33. पांडिचेरी
34. पुणे
35. शिमला
36. त्रिचुरापल्ली
37. तिरुअनन्तपुरम
38. विशाखापत्तनम
39. विदेश में केन्द्र : दुबई

* केवल जून सत्र की परीक्षा के लिये

** दिसंबर 1994 सत्र से आगे के लिए प्रायोगिक केन्द्र

परिशिष्ट (घ)

परीक्षाओं में बैठे तथा उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या के आंकड़े

I. जून, 1994 का सत्र

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %
फाउण्डेशन	948	347	36.60
इंटरमीडिएट*			
ग्रुप-1	4447	1129	25.38
ग्रुप-2	5403	1419	26.26
फाइनल**			
ग्रुप-1	1190	477	40.08
ग्रुप-2	1426	587	41.16

*दोनों ग्रुपों में 2914 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 635 ने परीक्षा पास की (21.79%)

**सभी ग्रुपों में 750 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से सभी ग्रुपों में 132 ने परीक्षा पास की (17.60%)

II. दिसम्बर, 1994 सत्र

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %
फाउण्डेशन	2543	821	32.28
इंटरमीडिएट*			
ग्रुप-1	4908	1182	24.08
ग्रुप-2	5658	1539	27.20
फाइनल**			
ग्रुप-1	1385	572	41.49
ग्रुप-2	1617	740	45.76

*दोनों ग्रुपों में 2611 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 354 ने परीक्षा पास की (13.55%)

**सभी ग्रुपों में 778 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से सभी ग्रुपों में 162 ने परीक्षा पास की (20.82%)

खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
706, आकाश दीप, 26-A, बाराखंबा रोड़,
नई दिल्ली-110001
टेलि : 3315110, 331519 ग्राम : ALERT नई दिल्ली

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के 31 मार्च, 1995 के तुलन पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपोर्ट इस प्रकार है :—

(क) हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार, लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिये प्राप्त करने आवश्यक थे।

(ख) रिपोर्ट का संबद्धीकृत तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।

(ग) हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार निम्नलिखित के बारे में लेखे सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं।

(1) इंस्टीट्यूट के मामले से संबंधित 31 मार्च, 1995 को समाप्त अवधि के तुलनपत्र के बारे में स्थिति; और

(2) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे में अधिशेष से संबंधित स्थिति।

कृते खन्ना एवं अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
(के. एन. नाग)
पार्टनर

स्थान : नई दिल्ली
तारीख: 31 अगस्त, 1995

दि इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली

31 मार्च, 1995 को समाप्त वर्ष का तुलन-पत्र

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 1995			31 मार्च, 1994		
		रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
निधि का स्रोत							
पूंजी रिजर्व	1			3,352,625			3,081,825
स्थायी परिसंपत्तियां रिजर्व	2			--			--
सामान्य रिजर्व	3			61,722,482			43,136,527
वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना रिजर्व	4			1,168,340			--
योग				69,243,447			46,218,352
निधि का प्रयोग							
स्थायी परिसम्पत्तियां : सकल ब्लाक	5	39,920,455			35,894,142		
घटाएं : मूल्यह्रास		9,567,473			7,551,591		
			30,362,982			28,342,551	
जोड़ें : भूमि क्रय			—			3,00,000	
भवन निर्माण के लिए पेशगी			2,819,154			604,774	
				33,182,136			29,247,325
निवेश	6			10,977,138			5,570,025
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और पेशगी							
चालू परिसंपत्तियां	7						
निवेश पर जमा ब्याज		1,332,332			2,38,327		
हस्तगत स्टाक		7,954,074			5,629,813		
विविध देनदार		446,346			231,656		
नकदी और बैंक शेष		21,477,024			10,148,341		
			31,209,776			16,248,137	
ऋण और पेशगियां	8		9,916,239			8,424,683	
			41,126,015			24,672,820	
घटाएं : चालू देयतायें और प्रावधान	9						
चालू देयताएं			16,041,842			13,271,818	
प्रावधान				25,084,173			11,401,002
योग				69,243,447			46,218,352
लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरण पर टिप्पणियां	15						

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(के. एन. नाग)	(डा. एस. पी. नारंग)	(डा. के. आर. चंद्रात्रे)	(यू. के. चौधरी)
पार्टनर	सचिव	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

नई दिल्ली
तारीख : 31 अगस्त 1995

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली

31 मार्च, 1995 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	1994-95 रुपये	1993-94 रुपये
आय			
विद्यार्थियों तथा सदस्यों से शुल्क	10	59,393,192	37,441,484
जर्नल/बुलेटिन का अभिदान और विज्ञापन		1,978,970	1,771,767
प्रकाशनों की बिक्री		4,769,529	2,923,965
निवेश पर ब्याज (स्रोत पर काटा गया कुल ब्याज- शून्य)		2,959,981	1,600,584
कार्यक्रमों से आय		2,651,625	2,319,047
अन्य आय	11	102,229	294,776
योग		71,855,526	46,351,623
व्यय			
व्यय स्थापना	12	14,959,414	13,088,279
डाक शिक्षण		9,377,381	5,946,169
प्रकाशन और कार्यालय स्टेशनरी		2,731,424	1,648,527
जर्नल और बुलेटिन		4,040,228	3,226,533
परीक्षा	13	2,744,172	1,886,990
संचार		2,701,296	2,061,590
क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को अनुदान		2,184,002	1,087,709
यात्रा और सवारी		1,498,739	1,413,365
क्षेत्रीय कार्यालय		342,998	285,528
मूल्यह्रास	5	2,122,335	1,672,368
विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां और पुरस्कार		89,400	52,775
व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण		2,184,031	2,298,080
रजत जयंती			110,220
फाउंडेशन कार्यक्रम प्रारंभ		781,810	590,993
चुनाव		436,423	—
अन्य व्यय	14	5,088,986	2,715,618
		51,282,639	3,8084,774
व्यय से अधिक आय जो सामान्य रिजर्व में ले जायी गई		20,572,887	8,266,879
योग		71,855,526	46,351,623

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(के. एन. नागी)	(डा. एस. पी. नारंग)	(डा. के. आर. चंद्राते)	(यू. के. चौधरी)
पार्टनर	सचिव	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

नई दिल्ली
तारीख : 31 अगस्त, 1995

अनुसूची—1

पूंजी रिजर्व

	31 मार्च, 1995		31 मार्च, 1994	
	रु.	रु.	रु.	रु.
पिछले लेखे के अनुसार		3,081,825		2,872,225
जोड़े : प्रवेश शुल्क				
एसोसिएट्स सदस्य	225,600		175,200	
फैलो सदस्य	45,200		34,400	
		270,800		209,600
योग		3,352,625		3,081,825

अनुसूची—2

स्थायी परिसम्पत्ति रिजर्व

	31 मार्च, 1995			31 मार्च, 1994		
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
(क) भूमि						
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान		—	—		597,250	
घटाएं-सामान्य रिजर्व में अंतरित		—	—		597,250	—
(क) भूमि और भवन						
पिछले तुलन पत्र के अनुसार	—		—			
जोड़े : क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त						
अंशदान	761,785		5,836,188			
दान राशि (सीधे प्राप्त)	250,000		183,253			
		1,011,785			6,019,441	
घटाएं : सामान्य रिजर्व में अंतरण						
-- क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान	761,785		5,836,188			
---इंस्टीट्यूट द्वारा वहन की गई निर्माण लागत	250,000		183,253			
		1,011,785	—		6,019,441	—
(ख) अन्य परिसंपत्तियां :						
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान		1283			7562	
घटाएं : सामान्य रिजर्व अंतरण		1283			7562	—
			—	0		—
योग			0			

अनुसूची—3

सामान्य रिजर्व

	31 मार्च, 1995		31 मार्च, 1994	
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
पिछले तुलन पत्र के अनुसार		43,136,527		28,917,556
जोड़ें :—स्थायी परिसंपत्ति रिजर्व से अंतरण				
—भूमि और भवन	1,011,785		6,616,691	
अन्य परिसंपत्तियां	1,283		7,562	
		1,013,068		6,624,253
		44,149,595		35,541,809
घटाएं : भवन ऋणों के परिवर्तन पर				
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अतिरिक्त अनुदान		—		672,161
जोड़ें :— लाभ एवं हानि लेखा के अनुसार		44,149,595		34,869,648
अधिशेष		20,572,887		8,266,879
	योग	64,722,482		43,136,527

अनुसूची—4

वैज्ञानिक अनुसंधान/परियोजना रिजर्व *

	31 मार्च, 1995	31 मार्च, 1994
	रुपये	रुपये
प्राप्त दान राशि	1,080,516	—
निधियों पर निवेशित ब्याज	17,145	—
पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद का अंशदान	70,677	—
योग	1,168,340	—

*आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) (iii) के अंतर्गत दी गई मंजूरी के आधार पर बनाया गया।

अनुसूची – 5

स्थायी परिसंपत्तियां

मद	सकल ब्लाक				मूल्य ह्रास				निवल ब्लाक	
	1-4-94 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान बिक्री/ समायोजन	31-3-95 को कुल लागत	1-4-94 की स्थिति	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान समायोजन	कुल मूल्य ह्रास	31-3-95 की स्थिति	31-3-94 की स्थिति
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
भूमि	5,019,653	138,236	—	5,157,889	—	—	—	0	5,157,889	5,019,653
भवन	24,492,551	1,352,891	—	25,845,442	3,727,813	1,108,684	—	4,836,497	21,008,945	20,764,738
साइकिल/स्कूटर शेड	19,993	—	—	19,993	19,839	51	—	19,890	103	154
फर्नीचर और जुड़नार	1,453,169	260,624	23,535	1,690,258	953,467	263,197	18,497	1,198,167	492,091	499,702
एयरकण्डीश्नर और कूलर	941,312	63,626	14,187	990,751	729,811	42,790	12,663	759,938	230,813	211,501
कम्प्यूटर और प्रिंटर	924,165	1,270,559	—	2,194,724	262,038	299,509	—	561,547	1,633,177	662,127
बिजली के उपकरण	238,385	116,088	3,300	351,173	139,506	45,534	2,536	182,504	168,669	98,879
कार्यालय उपकरण	1,376,608	848,534	89,696	2,135,446	804,243	230,946	68,931	966,258	1,169,188	572,365
अन्य उपकरण	21,608	5,587	1,275	25,920	14,719	6,593	1,093	20,219	5,701	6,889
पुस्तकालय की पुस्तकें	1,151,483	115,820	14,587	1,252,716	796,517	93,787	12,733	877,571	375,145	354,966
वाहन	255,215	928	—	256,143	103,638	31,244	—	134,882	121,261	151,577
इस वर्ष का योग	35,894,142	4,172,893	146,580	39,920,455	7,551,591	2,122,335	116,453	9,557,473	30,362,982	28,342,551
पिछले वर्ष का जोड़	19,468,502	16,440,465	14,825	3,894,142	5,891,804	1,672,368	12,581	7,551,591	28,342,551	
भूमि क्रय के लिए पेशगी	300,000	—	—	300,000	—	—	—	—	300,000	300,000
निर्माणधीन भवन (पेशगियों सहित)	604,774	1,516,453	—	2,121,227	—	—	—	—	2,121,227	604,774
वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना	—	397,927	—	397,927	—	—	—	—	397,927	—
इस वर्ष का जोड़	904,774	1,914,380	—	2,819,154	—	—	—	—	2,819,154	904,774
पिछले वर्ष का जोड़	8,923,572	7,290,829	15,309,627	904,774	—	—	—	—	904,774	—

अनुसूची—6

निवेश – लागत पर

	31 मार्च, 1994 रु.	वृद्धि रु.	विलोपन रु.	31 मार्च, 1995 रु.
सार्वजनिक उद्यमों के बंधपत्र :				
नेशनल थर्मल पॉवर कार्पो. लि. के 13% के एक-एक हजार रुपये के 610 बांड	517,917	—	—	517,917
महानगर टेलीफोन निगम लि. के 17% के एक-एक हजार रुपये के 4900 बांड	4,980,000	—	195,200	4,784,800
हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस 13.2% के पांच पांच हजार के 2 बांड	10,000*	—	—	10,000*
नेशनल हाइड्रो – पावर लि. के 13% के एक-एक हजार रुपये के 20 बांड	20,000*	—	20,000	—
भारतीय यूनिट ट्रस्ट यू एस – 64 की योजना की 317080 यूनिटें	42,108	5,622,313	—	5,664,421*
योग	5,570,025	5,622,313	215,200	10,977,138

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बंधपत्रों के बारे में 31 मार्च 1995 को उनका बाजार मूल्य मालूम नहीं है।

*नेशनल थर्मल पॉवर कार्पो. लि. के 13% के एक-एक हजार रुपए के 10 बांड, हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस लि. के 13% के पांच-पांच हजार के 2 बांड और भारतीय यूनिट ट्रस्ट की यू एस – 64 2550 यूनिटें (रु. 42,108) पुरस्कार प्रदान करने के लिए निश्चित की गई हैं।

भारतीय यूनिट ट्रस्ट से 57,200 रु. मूल्य की 3200 यूनिटें अभी प्राप्त होनी है।

31-3-95 को भारतीय यूनिट ट्रस्ट की यू एस – 64 योजना की यूनिटों की पुनः बिक्री का मूल्य 56,41,587 रुपए था।

चालू परिसंपत्तियां

अनुसूची-7

	31 मार्च, 1995			31 मार्च, 1994		
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
निवेशों पर प्रोद्भूत ब्याज			1,332,832			238,327
स्टाक (इनका मूल्य प्रबंधकों द्वारा प्रमाणित मूल्य के अनुसार या लागत से कम है)						
(क) प्रकाशन		1,321,873			820,082	
(ख) कागज		3,917,292			2,669,146	
(ग) अध्ययन सामग्री		2,180,492			1,620,541	
(घ) अन्य		534,417	7,954,074		520,044	5,629,313
विविध उधार (अनुरक्षित)						
(क) राशि, जिनकी वसूली की संभावना है, जो छह महीने से अधिक समय से बकाया है		8,075			22,970	
अन्य		438,271			208,686	
		446,346			231,656	
(ख) राशि, जिनकी वसूली की संभावना संदिग्ध है	7,620			2,500		
घटाएं : संदिग्ध और वसूल न हो सकने वाली राशि	7,620	—		2,300	—	
			446,346			231,656
नकदी और बैंक शेष						
(क) हस्तगत नकदी, चैक, ड्राफ्ट और डाक टिकट		285,693			375,011	
(ख) अनुसूचित बैंकों के पास						
-अनुसूचित बैंक खातों में	4,358,731*			4,140,730		
-अल्प अवधि खातों में जमा	7,100,000			5,600,000		
-दीर्घ अवधि खातों में जमा (पुरस्कारों के लिये निर्धारित 32,600 रुपये की राशि भी शामिल है)	9,732,600	21,191,331		32,600	9,773,330	
			21,477,024			10,148,341
योग			31,209,776			16,248,137

*वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना के लिये निर्धारित, 1,32,177 रुपये की राशि भी शामिल है।

अनुसूची-8

ऋण और पेशगियां (असुरक्षित राशि-वसूल होने योग्य)

	31 मार्च, 1995		31 मार्च, 1994	
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
ऋण				
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के भवनों के लिये		7,150,158		6,375,189
पेशगियां				
कर्मचारी	1,431,430		1,241,549	
क्षेत्रीय परिषदें/शाखाएं	86,126		—	
अन्य	677,577		217,046	
		2,195,133		1,458,595
पूर्व प्रदत्त व्यय		339,542		365,308
विविध जमा राशियां		231,406		225,591
योग		9,916,239		8,424,683

चालू देयताएं और प्रावधान

अनुसूची—9

	31 मार्च, 1995		31 मार्च, 1994	
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
देयताएं				
विद्यार्थियों से प्राप्त अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुल्क		10,025,794		8,123,167
अन्य अग्रिम प्राप्त राशियां		90,764		221,435
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय अनुदान		486,776		591,567
विविध लेनदार		302,138		349,892
देय व्यय		4,566,140		3,170,697
चिकित्सा योजना		75,063		62,200
हितकारी निधि				
कंपनी सचिव			47,902	
कर्मचारी	9,062		15,674	
		9,062		63,576
पुरस्कार प्रदान करने के लिये प्राप्त धन राशियां (दूसरी तरफ)		207,599		161,590
दानराशि का पुनः आबंटन		58,734		73,611
उपदान न्यास		219,879		439,740
पेंशन न्यास		—		14,433
योग		16,041,842		13,271,818

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

अनुसूची—10

	1994–95		1993–94	
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
सदस्य				
वार्षिक शुल्क	2,625,508		2,430,805	
अन्य शुल्क	26,600		19,150	
		2,652,108		2,449,955
विद्यार्थी				
पंजीकरण शुल्क	9,233,260		5,559,216	
छूट शुल्क	2,644,318		1,599,416	
डाक शिक्षण-शुल्क	36,012,422		21,680,974	
परीक्षा शुल्क	8,675,127		5,799,668	
लाइसेंस शुल्क	132,898		114,220	
अन्य शुल्क	43,059		238,035	
		56,741,084		34,991,529
योग		59,393,192		37,441,484

अनुसूची-11

अन्य आय

	1994-95	1993-94
	रुपये	रुपये
कर्मचारी पेशगियों पर ब्याज	57,162	33,069
विशेष परामर्शी सेवाएं	—	5,000
खाद राशि	—	2,000
पुनर्लिखित अधिक प्रावधान	—	196,667
परिसंपत्तियों के निपटान से अधिशेष	—	5,899
विविध आय	27,017	52,141
निवेश बिक्री से लाभ	16,050	—
योग	102,229	294,776

अनुसूची-12

स्थापना

	1994-95	1993-94
	रुपये	रुपये
वेतन और भत्ते	13,230,265	11,147,616
अंशदान: भविष्य निधि	443,548	411,611
उपदान निधि	205,701	188,260
पेंशन निधि	134,928	492,901
कर्मचारी कल्याण	944,972	847,891
योग	14,959,414	13,088,279

अनुसूची-13

संचार

	1994-95	1993-94
	रुपये	रुपये
डाक खर्च और भार	2,160,556	1,334,234
टेलीफोन, फैक्स और टेलेक्स	540,740	727,356
योग	2,701,296	2,061,590

अन्य व्यय अनुसूची-14

	1994-95		1993-94	
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
विज्ञापन और प्रचार		527,551		98,085
बैंक प्रभार		41,684		25,978
बिजली और पानी		830,181		437,657
बीमा		33,429		22,251
किराया, दर और कर		1,362,871		201,530
मरम्मत और अनुरक्षण भवन	130,167		534,790	
अन्य	269,634		208,596	
		399,801		743,386
विधि और व्यावसायिक प्रभार		216,579*		136,636
वाहन अनुरक्षण		100,263		66,373
कार्यालय व्यय		463,161		269,930
कम्प्यूटरीकरण-डाटा प्रोसेसिंग	277,154		200,668	
—साफ्ट वेयर	32,120		12,400	
		309,274		213,068
बैठकें		136,883		96,499
पैकिंग, ढुलाई और भाड़ा		409,276		276,177
परिसम्पत्तियों की बिक्री से हानि		8,460		—
सुरक्षा सेवायें		129,323		56,976
लेखा परीक्षा शुल्क		20,000		15,000
विविध खर्च		--		54,622
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		5,320		1,450
प्रदत्त ब्याज		64,927		—
योग		5,088,986		2,715,618

*आन्तरिक लेखापरीक्षकों को दी गई 27,000 रुपये (पिछले वर्ष 9000 रुपये) की राशि शामिल है।

अनुसूची—15

लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां

(क) लेखांकन नीतियां

1. दान राशियां और क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा अंशदान—सीधे प्राप्त दान राशियां और क्षेत्रीय/शाखाओं द्वारा भूमि/भवनों की खरीद के लिये अंशदानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों को "स्थायी परिसम्पत्ति रिजर्व" खाते में जमा किया जाता है। इस प्रकार की परिसम्पत्तियों को खरीदने के लिए वस्तुतः उपयोग की गई राशियों को "सामान्य रिजर्व" में अन्तरित किया जाता है।

2. शुल्क

क. फैलो और एसोसिएट सदस्यों से प्रवेश शुल्क प्राप्त होने पर उसे पंजीकृत कर दिया जाता है और "पूंजी रिजर्व" खाते में दिखाया जाता है।

ख. सदस्यों से प्राप्त शुल्क की राशियों को प्रोद्भूत आधार पर हिसाब में लिया जाता है। अग्रिम में प्राप्त शुल्क को देयता के रूप में अग्रनयन किया जाता है।

ग. पंजीकरण शुल्क को छोड़कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को प्राप्ति-आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है।

3. निवेश

निवेश का मूल्य लागत के अनुसार आंका जाता है।

4. स्थायी परिसम्पत्तियां

क. स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रभारित किया गया है :

भवन	5%
फर्नीचर और जुड़नार	10%
एयरकंडीशनर/कूलर/कम्प्यूटर तथा अन्य उपस्कर	15%
पुस्तकालय की पुस्तकें	20%
वाहन	20%
पौधे	33⅓%

परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिये प्रभारित किया गया है,

ख. स्थायी परिसम्पत्तियों का पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, जिनकी लागत 5,000 रुपए या इस से कम है, पूर्ण मूल्यह्रास किया जाता है।

5. इंवेंटरी

क. कागज तथा प्रकाशनों के स्टॉक का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया जाता है।

ख. अध्ययन सामग्री के स्टॉक का मूल्यांकन उनकी लागत से अप्रचलन के लिए 10% पर किया जाता है।

6. पेंशन

पेंशन निधि न्यास में अंशदान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

7. उपदान

उपदान न्यास में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप उपदान योजना के अनुसार किया गया है।

8. ब्याज

(क) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संचयी बंधपत्रों में किये गये निवेशों और अन्य निवेशों पर प्राप्त ब्याज को उतनी सीमा तक आय के रूप में लिया है, जितनी आय वस्तुतः हुई है।

(ख) समग्र रूप से जितनी राशि का निवेश किया गया, उसके एक भाग के रूप में स्थायी परिसंपत्तियों में से अधिशेष निधि के निवेश पर अर्जित ब्याज का आकलन इस वर्ष उपलब्ध औसत निधि के आधार पर किया गया है तथा स्थायी परिसंपत्तियों के रिजर्व के जमा खाते में डाल दिया है।

(ग) कर्मचारियों को दिए गए उधार पर ब्याज खाते में नकद आधार पर लिया गया है।

(ख) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां

1. 31-3-1989 को समाप्त वर्ष और उसके बाद के वर्षों में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23ग) (4) के अधीन छूट का आवेदन पत्र भारत सरकार के पास पुनर्विचार के लिये पड़ा है। इंस्टीट्यूट ने 1991-92 से 1993-94 के वित्तीय वर्षों के बारे में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(22) के अधीन विवरणी फाइल कर दी है। 1991-92 और 1992-93 वर्षों के लिये आय "शून्य" आंकी गई है। 1993-94 वर्ष के आकलन का निर्णय नहीं हुआ है। आकलन के अंतिम निर्णय होने तक लेखों में कराधान का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

2. प्रसाद नगर, नई दिल्ली में निर्मित भवन के संबंध में मध्यस्थ ने 7-9-1993 के अपने आदेश के अन्तर्गत 10-7-1991 से 7-9-1993 तक 6.07 लाख रुपये (12.67 लाख रुपये में सम्मिलित है) की राशि पर 12% ब्याज सहित 12.67 लाख रुपये देने का निर्णय ठेकेदारों के पक्ष में दिया है जबकि संस्थान के विरुद्ध 57.21 लाख रुपये दिये जाने का दावा है। संस्थान द्वारा दायर आपत्ति पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने मामले को इस निर्देश के साथ वापस मध्यस्थ को भेज दिया कि वह अपने साक्ष्य हेतु भवन सलाहकारों को तलब कर पुनः इस मामले को अपनी सिफारिशों के साथ न्यायालय को भेजें। वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट ने स्वीकृत दावों की अदायगी में उक्त ठेकेदार को 3.08 लाख रुपए (जिसमें 65 हजार रुपए की ब्याज राशि शामिल है) दिये; 10.18 लाख रुपए (जिसमें 3.5 लाख पर दी जाने वाली ब्याज की राशि शामिल नहीं है) का प्रावधान नहीं किया है, क्योंकि मध्यस्थ के एवार्ड की इतनी राशि विवादास्पद है और उच्च न्यायालय के सामने यह मामला अनिर्णीत पड़ा है।

3. हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद द्वारा संस्थान की फरीदाबाद शाखा को 3.65 लाख रुपये में 500 वर्ग गज फ्री होल्ड भूमि पर शर्त पर आवंटित की है कि सक्षम प्राधिकरण/न्यायालय द्वारा भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अन्तर्गत अधिनिर्णीत भूमि मूल्य के भुगतान होने पर ही भूमि संस्थान को अंतरित होगी। इंस्टीट्यूट के खाते में 3.00 लाख रुपये की अग्रिम राशि को "भूमि क्रय के लिये अग्रिम" के रूप में दर्शाया गया है और 65 हजार रुपए को शाखा के खाते में दिखाया है।

4. संस्थान के अपने अनुमान के आधार पर खातों में 10 लाख रुपए के संपत्ति कर का प्रावधान किया गया है। प्रावधान की गई राशि में तथा वास्तव में देय होने वाली राशि में यदि कोई अंतर हुआ तो जिस वर्ष मामले का अंतिम निपटान होगा, उसी वर्ष लेखे में लिया जायेगा।

5. 14 दिसंबर 1994 को इंस्टीट्यूट के परिसर में आग लग गई थी, जिसके फलस्वरूप बिल्डिंग के एक भाग को क्षति पहुंची और फर्नीचर तथा जुड़नार, बिजली की फिटिंग, एयर कंडीशनर और कार्यालय उपकरणों जैसी कुछ चीजें नष्ट हो गई। बीमा कंपनी से 5.25 लाख का दावा किया है, जिसके बारे में मामला तय होना बाकी है। किन्तु 38,121 रुपए की नष्ट हुई परिसंपत्तियों का अंकित मूल्य स्थायी परिसंपत्तियों के अंतर्गत अभी भी दिखाया जा रहा है, क्योंकि जब हमें दावे की राशि मिल जायेगी तो हमारा इरादा है कि 1995-96 वर्ष में इसे बट्टे खाते में डाल देंगे।

6. पिछले वर्ष के आंकड़ों को चालू वर्ष के आंकड़ों से मिलान के लिए यथावश्यक फिर से वर्गीकृत/व्यवस्थित कर दिया है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September, 1995

File No. 104|23|Accts.—Fifteenth Annual Report of the Council for the year ended 31-3-1995.

I. INTRODUCTION

1.1 In pursuance of the requirement of Sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980, the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to publish the fifteenth annual report and the audited statements of account along with the auditors' report thereon on the working of the Institute for the year ended 31st March, 1995.

1.2 The year that has gone by has been a significant one in the history of the Institute. Coordinated and concerted efforts by the Institute to bring about greater awareness of the profession among the students in particular and public in general have yielded very encouraging results. The students registration during 1994-95 showed a 50.78 per cent increase over that of 1993-94. This is the highest ever increase in students registration in the history of the Institute. The financial position of the Institute also showed a very healthy upward trend. The total reserves has risen to Rs. 692.43 lacs as on 31st March, 1995 from Rs. 462.18 lacs as on 31st March, 1994.

1.3 Some of the significant activities of the Institute during the year ended 31st March, 1995 have been outlined in the succeeding paragraphs.

2. DEVELOPMENTS

2.1 22nd National Convention of Company Secretaries.—The 22nd National Convention of Company Secretaries was held at Goa from 11th to 13th August, 1994. The Convention was a grand success in terms of participation as well as deliberations. Nearly 550 delegates attended the Convention.

2.2 Visit of International President and International Chief Executive of ICSA to the Institute.—Prof. Stephen Bristow, International President and M.J. Ainsworth, International Chief Executive of the Institute of Chartered Secretaries and Administrators, London visited the Institute's Headquarters on 3rd February, 1995. They had extensive discussions with the President, Council Members and Senior Officers of the Institute on areas of mutual cooperation and interaction. The dialogue with ICSA are being continued with an aim to gain recognition to our members and students by ICSA, thus opening up more avenues and areas.

2.3 Post Membership Qualification Course in Capital Markets and Financial Services.—The Institute's proposal to introduce Post Membership qualification course in Capital Markets and Financial Services has been approved by the Central Government. The notification containing the Regulations for introduction of the course has been published in the Gazette of India Extraordinary Part III, Section IV dated 21st February, 1995. The course is likely to be launched in November 1995.

2.4 CCRT Building Project.—The site for the prestigious CCRT Project has already been developed and Bhoomi Puja was performed by the President, ICSI on 16th April 1995. The first phase of the construction of the building is likely to be completed by 30th June 1996, for which the contract has already been awarded.

3. COUNCIL

3.1 Elections to the Council were conducted in December, 1994 in accordance with the provisions contained in Company Secretaries Regulations, 1982. The results were notified in January, 1995 issue of Chartered Secretary.

3.2 President and Vice-President.—At the first meeting of the newly elected Council held on 1st January, 1995, U. K. Choudhary and Dr. K. R. Chandratre were elected as President and Vice-President respectively for a period of one year from 1st January, 1995. The Council places on record its appreciation of the valuable contribution made by the outgoing Council of the Institute for the year 1994.

3.3 Meetings.—Apart from various Committee meetings, the Council held seven meetings during 1994-95.

3.4 Committees etc.—The composition of various Committees, Specialised Groups and Advisory Boards constituted by the Council is given in Appendix "A" to the Report.

4. REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

4.1 The four Regional Councils whose terms expired on 31st December, 1994 were re-constituted with effect from 1st January, 1995 for a further period of three years. The elections to the Regional Councils were conducted in December, 1994 in accordance with the provisions in the Company Secretaries Regulations, 1982. The results were notified in January, 1995 issue of Chartered Secretary. The newly elected Regional Councils took charge on 1st January, 1995.

4.2 The four Regional Councils continued to provide support and assistance to the Council by carrying out their activities and functions with great zeal and enthusiasm. The Regional Councils conducted career fairs, phone-in programmes, seminars and workshops, SMTPs, oral coaching classes, students' guidance meetings, study circle meetings and Regional Conferences. They have also been carrying out extensive library updations, publishing news bulletins and providing employment service to members by maintaining a data base, dissemination of information to members|students, selling Institute's publications. The Reserves and Surplus of each Regional Council and the num-

ber of members and students in each Regional Council as on 31st March, 1995 are shown below.

Item	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
(a) Financial position				
(i) Surplus 1994-95 (Rs.)	1,61,168	4,84,923	1,29,086	82,817
(ii) Reserves (as on 31-3-95) (Rs.)	11,51,287	35,05,937	13,44,762	5,75,572
(b) Number of Regular Course Students				
— As on 31-3-95	14,373	24,378	22,155	18,402
— As on 31-3-94	12,640	18,150	18,990	51,530
— % Increase during 1994-95	13.7%	34.3%	16.7%	18.5%
(c) Number of Foundation Course Students				
— As on 31-3-95	4,311	11,074	4,398	4,102
— As on 31-3-94	1,417	3,556	1,425	1,425
— % Increase during 1994-95 (annualised)	77.5%	81.7%	80.0%	123.2%
(d) Number of Members				
— As on 31-3-95	1,368	2,559	2,589	3,490
— As on 31-3-94	1,290	2,359	2,397	3,282
— % Increase during 1994-95	6.0%	8.8%	8.0%	6.3%

4.3 Chapters.—During 1994-95 Managing Committees of 36 Chapters were re-constituted and elections to the Managing Committees of Chapters for the term 1995-97 were held as per the provisions of Company Secretaries Regulations, 1982 read with Company Secretaries Chapters Guidelines, 1983. The Chapters carried out a number of activities for the education and training of students and professional development programmes for members during the year. With the primary aim of decentralising the activities to Regional Councils and Chapters level, the guidelines pertaining to building grant and annual grant to the Regional Councils|Chapters were further liberalised during the year. Taking advantage of the liberalised grant, Vadodara Chapter acquired its own premises during the year. As on date, the following Chapters have their own office premises :—

Ghaziabad, Jaipur, Kanpur, Bangalore, Hyderabad, Ahmedabad, Bhopal, Dombivli, Goa, Pune and Vadodara.

4.4 Best Chapter Awards.—The Best Chapter Award for 1993 were presented to the following Chapters at the inaugural session of 22nd National Convention held in Goa.

(a) National Best Chapter and RBGM Modi Best Chapter—Kanpur

(b) Regional Best Chapters
East—Patna
North—Kanpur
South—Bangalore
West—Pune

5. MEMBERS

5.1 Growth of Members and CP Holders.—During 1994-95, 752 and 226 persons were admitted as Associate and Fellow Members respectively. As on 31st March, 1995, the Institute had 10006 members comprising of 7598 Associates and 2408 Fellows on its Register. The number of members residing abroad as on 31st March, 1995 were 196. The Council regrets to report the death of 19 members during the year.

Growth of Members and C.P. Holders

	31-3-1991	31-3-1992	31-3-1993	31-3-1994	31-3-1995
Associates	6095	6364	6789	7119	7598
Fellows	1728	1943	2059	2209	2408
C P Holders	1188	1102	699	699	735

5.2 During 1994-95, Certificates of Practice were issued to 135 members. As on 31st March, 1995, there were 735 members holding certificates of practice.

5.3 List of Members : In pursuance of section 19(3) of the Company Secretaries Act read with Regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982, a complete list of Members as on 1st April, 1994 giving certain additional information such as members' residential addresses, telephone numbers, fax numbers, professional addresses has been published. The list is supplied to members on request. The

additional information have been provided in the list essentially to facilitate better communication and interaction among the members.

5.4 During 1994-95, five complaints against the members, alleging professional or other misconduct, were received. Out of these, two complaints have been disposed of.

6. PROFESSIONAL DEVELOPMENT AND CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES

Six Professional Development Programmes including the 22nd National Convention were held during 1994-95. The details are given in Appendix 'B' to the Report.

7. PUBLICATIONS

7.1 'Chartered Secretary'.—The monthly journal being published by the Institute for the last 25 years has consistently maintained its quality and promptitude by providing the Government's notifications, legal decisions and informative articles, etc. The Journal serves as an effective medium of communication with members and has been very popular with the corporate professionals. During 1994-95 two special issues of the journal as given below were brought out :—

(a) On Union Budget, in April 1994 issue.

(b) On NRI/foreign investments, in November, 1994 issue.

The journal has also been redesignated as the "Journal of Corporate Professionals".

7.2 Guidance Note on Signing of Annual Return.—The revised edition of the Guidance Note on Signing of Annual Return incorporating detailed guidelines on the mode of signing and clarifications on several areas was brought out in December, 1994. The Institute is in the process of revising the same in the light of new format of Annual Return prescribed by the Government.

7.3 Guide to Company Secretary in Practice.—The revised edition of the booklet "A Guide to Company Secretary in Practice" was brought out in March, 1995 for use of members already in practice and for those who are planning to take up practice.

8. EXPERT ADVISORY GROUPS

8.1 Expert Advisory Group.—The Expert Advisory Group re-constituted under the Chairmanship of Justice K. N. Singh, Former Chief Justice, of India continues to render expert advisory services to members on intricate problems relating to Company Law and Economic Laws. The opinions given by Expert Advisory Group were published in January, 1995 issue of Chartered Secretary.

8.2 Core Group of Experts.—The Core Group of Experts specialising in Corporate Laws, Capital Market, Taxation, Accounting and Finance was re-constituted during the year for eliciting comments from members/experts for finalisation of representations to the Government, SEBI, Stock Exchanges, Committees/Study Groups constitued by the Government and other bodies.

9. RECOGNITIONS TO THE PROFESSION

9.1 The President of the Institute continues to be a member of the three committees constituted by the Department of Company Affairs to review the Companies Act, MRTP Act and the Acts relating to ICSI, ICAI and ICWAI and also as a member of the Advisory Committee on Primary Markets constituted by SEBI. The President has also been appointed as a member of the Committee constituted by SEBI to review the existing disclosure requirements in the offer documents.

9.2 Following Universities have recognised the Company Secretaries qualification of the Institute for the purpose of registration to Ph.D Course :—

(a) The Kakatiya University, Warangal, Andhra Pradesh.

(b) Kuvempu University, Shimoga District, Karnataka.

(c) North Maharashtra University, Jalgaon, Maharashtra.

(d) Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad, Maharashtra.

(e) Rani Durgawati Vishwavidhyalaya, Jabalpur, Madhya Pradesh.

(f) Karnataka University, Dharwad, Karnataka.

10. STUDENTS SERVICES

10.1 Registration.—As a result of concerted and coordinated efforts of the Institute, Regional Offices and Chapters to spread the message about the profession and create a visibility and awareness about the profession and its growing opportunities in the eyes and minds of people, there has been very encouraging upward trend in the new registration to the regular as well as foundation courses. The present trend also indicates that the profession is gaining acceptability and popularity among the students waiting to enter the threshold of a career.

10.2 Regular Course.—During 1994-95, 25032 students were registered as compared to 16601 students during 1993-94 showing an increase of 50.78 per cent.

Students Registered

	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
Numbers	12162	13613	13612	16601	25032
Increase over previous year		11.9%	(—)0.01%	21.9%	50.8%

The number of students whose registration is current stood at 77627 as on 31st March, 1995.

	Total Students				
	As on				
	31-3-1991	31-3-1992	31-3-1993	31-3-1994	31-3-1995
Number	50860	55442	60081	65385	77627
Increase over previous year	..	9.0%	8.4%	8.5%	18.7%

10.3 Foundation Course.—As reported in the last Annual Report, the Foundation Course for 10+2 students was introduced with effect from 20th August, 1993. During 1994-95, 16415 students were registered for this course. As on 31st March, 1995, the total students registered for the Foundation Course was 23885.

10.4 Coaching.—The students admitted to the Foundation Course and the Regular Course are being enrolled for undergoing compulsory postal tuition and they are being provided with the requisite study material. As a part of decentralisation drive, the Regional Councils except WIRC are providing the facility of evaluation of response sheets for the Intermediate Course. The SIRC is, in addition, providing facility of evaluation of response sheets for the Final Course also.

10.5 Services|Facilities to Students.—It has been the endeavour of the Institute to provide the best possible facilities to the students in their preparation for the Institute's examinations as well as be in regular communication with them for updating their knowledge. In this respect, the following activities are highlighted :—

(a) Student Company Secretary.—The Institute regularly brings out a monthly Bulletin 'Student Company Secretary' mainly to apprise and update the regular course students of legislative amendments, studies and information relating to the administration of company secretaryship course. This bulletin is sent free of cost to all the current regular course students.

(b) Company Secretaries Foundation Course Bulletin.—This is a bi-monthly bulletin being sent free of cost to all the current foundation course students mainly to keep them informed of the latest developments in the areas of their study and the activities of the Institute, relating to foundation course.

(c) A Guide to Company Secretary—Study and Examination.—This booklet is provided free of cost to all the students registered, with a view to guide them as to how to prepare for the Institute's examinations.

(d) Reciprocal arrangement between ICSI-ICWAI.—Consequent upon the introduction of revised syllabus by ICWAI, a new bilateral arrangement for mutual paper-wise exemption between ICSI and ICWAI has been introduced with the effect 8th December, 1994. The details are regularly published in the Students Bulletin.

10.6 Oral Coaching.—The facility of oral coaching classes to students is being provided at 38 centres all over India by the Regional Councils|Chapters and ICSI collaborative oral tuition centres. Oral classes are also being conducted for the Foundation Course.

10.7 During 1994-95 books of latest editions were added out of the special grant, to update the libraries of the Institute at all the 4 Regional Offices, 36 Chapters and the ICSI collaborative oral tuition centres at Rourkela, Ganjam (Orissa), Ambala, Calicut and Nasik and at Gurgaon and Vijayawada under the Satellite Library Scheme. Continuous efforts are on, to update these libraries and also to open libraries at other places.

10.8 Guideline Answers and Topic-wise Question Papers.—During 1994-95, guideline answers for June, 1994 and December, 1994 examinations and the topic-wise questions on all subjects of Foundation, Intermediate and Final course examinations were published and made available to students.

10.9 Updation|Revision of Study Material.—The study material of Foundation, Intermediate and Final Course are being regularly revised|updated. The areas updated were also brought to the notice of the students through 'Student Company Secretary' and 'CS Foundation Course Bulletin'.

11. EXAMINATIONS

11.1 Conduct of Examinations.—During 1994-95, Company Secretaries Foundation, Intermediate and Final examinations were held in June and December, 1994 in 36 and 38 centres respectively all over the country and in one centre abroad (Dubai). The number of candidates who have completed the various examinations during 1994-95 are as follows :

	June, 1994	Dec. 1994	Total
Foundation	348	821	1169
Intermediate	679	967	1646
Final	395	571	966

The list of examination centres and the statistics relating to examination results are given in Appendix 'C' and Appendix 'D' respectively to the report.

11.2 Hindi Medium in Examinations.—With a view to encourage the use of Hindi, the Institute continues to allow Hindi as an alternative medium for all its examinations.

11.3 Awards|Merit Certificate|Scholarships.—With a view to encourage the students to put in their best efforts, the Institute has been awarding various prizes, merit certificates|scholarships. The following students were given the President's all-India prize

awards for June and December, 1994 examinations :—

Course	June 1994	December 1994
Intermediate	Ms Saroj Aggarwal	Mr Sanjay Khattry
Final	Mr Prakash Ruia	Mr KS Agarwal

In addition, effective from December 1994 session, merit certificates are awarded to candidates obtaining upto 25th rank in Foundation Course, 20th rank in Intermediate and 10th rank in Final examination. Further, Merit Scholarships are awarded to 15 top rank holders in Foundation and Intermediate examinations and financial assistance is granted to eligible candidates under Merit-cum-Means Assistance Scheme.

12. TRAINING

12.1 Empanelment.—The Institute has been continuing its efforts to empanel more companies for imparting training, to students. During 1994-95, 187 companies were empanelled for imparting management training and 170 companies were empanelled for imparting practical training. The total number of companies empanelled as on 31st March, 1995 were 1038, 1418 and 191 for management training, practical training and apprenticeship training respectively.

Number of Companies empanelled for Training

	31-3-1991	31-3-1992	31-3-1993	31-3-1994	31-3-1995
Management	548	613	728	851	1038
Practical	957	1035	1146	1248	1418
Apprenticeship	101	125	140	170	191

12.2 Imparting of Training.—During 1994-95, 316 students were imparted management training, 458 students were imparted practical training and 60 were imparted apprenticeship training.

Number of Students who were imparted training

	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
Management	129	123	192	193	316
Practical	664	625	518	611	458
Apprenticeship	68	87	96	83	60

12.3 Secretarial Modular Training Programmes (SMTPs).—During 1994-95, 22 SMTPs were held which were attended by 685 candidates. The modules|course material for SMTPs have been revised keeping in view the changing scenario of the corporate sector and for achieving managerial excellence.

13. PUBLIC RELATIONS AND LIAISON

13.1 Strengthened public relation efforts aimed at creating greater awarness and visibility of the profession of company secretaries throughout the country marked the year under review. The major thrust was to attract the attention of students towards the profession by communicating through a variety of channels|media about its opportunities in future as well as create an awareness among the people in general about the utility of the profession and the varied roles that a Company Secretary can play so that his acceptability is enhanced and area|scope of opportunities is widened. The major public relation and liaison activities undertaken during 1994-95 were as under :—

(a) A number of display advertisements imparting information on the Foundation Course were released in newspapers on all-India basis.

(b) Constant liasion was maintained with a number of schools and colleges and students were apprised on the Foundation and the Regular course by way of career talks and eductional exhibitions.

(c) The Institute took part in the following career fairs :—

(i) CAREERAMA 94 during 3rd to 5th June, 1994.

(ii) AIESEC, Delhi University Career Fair on 29th and 30th October, 1994.

(iii) India International Training and Education Career Fair from 24th to 27th November, 1994.

(iv) Entrepreneurship and Career Guidance Camp at Panipat on 23rd December, 1994.

(v) Management and Computer Exposition at Faridabad during 7th and 8th January, 1995.

(d) The ICSI film titled "Career As A Company Secretary" was telecast by Doordarshan on the national network in July, 1994 and was repeated subsequently.

(e) A special career oriented half an hour episode on the profession titled "Hum Honge Kamyaab" was telecast on 9th October, 1994 and repeated after a fortnight on Zee TV.

(f) An exclusive interview of the President on All India Radio regarding the Institute was broadcast in the Yuv Vani programme on 27th July, 1994.

(g) Special Career features on the profession of Company secretaries were published regularly in the Youth and Career Column in leading newspapers.

(h) Press Conference addressed by the President at New Delhi as a prelude to the 22nd National Convention of Company Secretaries at Goa received tremendous response from the media. Another Press Conference addressed by the President at Goa on the eve of the Convention received massive publicity at Goa. The proceedings of the Convention were also extensively covered by the Press and the Doordarshan. Special newspaper supplements on the theme of the Convention were also brought out in the local dailies at Goa.

(i) Secretary's interview to UNIVARTA and United News of India on various professional activities of the Institute was covered by major dailies all over India during October, 1994.

(j) President was interviewed by Jain Satellite TV on 1st February, 1995. The twenty minutes recording was telecast during Jain Business News.

(k) President's view on the Union Budgets were published in all the newspapers on 16th and 17th March, 1995 and also telecast on DD-1 and Jain Satellite TV.

(l) A number of press conferences were addressed by the President at Madras, Hyderabad, Vadodara and Bangalore which were covered well by the media.

(m) A number of press releases on various activities and reactions of the Institute on various matters were sent regularly by the Institute which were published by major newspapers.

13.2 The varied public relations and liaison activities during 1994-95 has contributed a great deal towards increasing the awareness about the profession in general. This is reflected in the increasing students registration and greater acceptability of the profession in various organisations.

14. ACCOUNTS

14.1 Surplus.—The accounts for the year 1994-95 has been closed with a surplus of Rs. 205.73 lacs. This is the highest recorded surplus in the history of the Institute and represents a 149 per cent increase over the surplus for 1993-94. The surplus generated during the last five years and the details of income and expenditure for 1994-95 are projected below :

Surplus during last five years (Rs. in lacs)

1990-91	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
8.16	1.74	41.20	82.67	205.73

Income during 1994-95

Item	Amount (Rs. in lacs)	%
Fees from Members and Students	593.93	82.7
Subscription/Advertisements from Journal and Bulletins	19.79	2.8
Sale of Publications	47.70	6.6
Interest on Investments	29.60	4.1
Others	27.54	3.8
Total	718.56	100

Expenditure during 1994-95

Item	Amount (Rs. in lacs)	%
Establishment	149.59	29.2
Postal Tuition	93.37	18.3
Publications and Stationery	27.31	5.3
Journal and Bulletins	40.40	7.9
Grant to Regional Councils and Chapters	21.84	4.3
Examinations	27.44	5.4
Others (Rent, Electricity, Water, Communication, Travelling, etc.)	152.48	29.6
Total	512.83	100

For Institute of Company Secretaries of India
Secretary

14.2 Reserves

(a) General Reserve.—The General Reserve which stood at Rs. 431.37 lacs as on 31st March, 1994 has risen to Rs. 647.22 lacs as on 31st March, 1995.

	31-3-91	31-3-92	31-3-93	31-3-94	31-3-95
General Reserve (Rs. in lacs)	203.48	230.05	289.18	431.37	647.22
Increase over previous year (%)	—	13.1	25.7	49.2	50.0

(b) Fixed Assets Reserve.—During 1994-95, Rs. 7.62 lacs. received as contributions from Regional Councils|Chapters and Rs. 2.50 lacs received as direct donations for acquisition of land and building were capitalised.

(c) Capital Reserve.—The capital reserve to which the entrance fee received from members are capitalised stood at Rs. 33.53 lacs as on 31st March, 1995 as against Rs. 30 82 lacs as on 31st March, 1994.

14.3 Statutory Auditors.—M|s. Khanna and Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were reappointed as Statutory Auditors of the Institute for the year ended 31st March, 1995 pursuant to the requirement of section 18(4) of the Company Secretaries Act, 1980. The Auditors' Report is published alongwith the statements of accounts.

14.4 Internal Auditors.—In view of the increasing activities of the Institute, M|s. Thakur, Vaidyanath Aiyar and Co., Chartered Accountants, New Delhi were appointed as internal auditors of the Institute for the year 1994. The reports of the Auditors have been received. Based on the report, necessary actions have been taken to streamline the activities and systems.

15. LAND AND BUILDING

15.1 ICSI-NIRC Building.—The ICSI-NIRC building has been fully occupied during the year. The Directorate of Studies and Foundation Cell have started functioning from the new building. The NIRC's office also functions from the new building. The NIRC Library is expected to be shifted to the new building during 1995-96.

15.2 Faridabad Chapter Land.—The Chapter has purchased a plot of land measuring 500 sq. yards at a total cost of Rs. 3.66 lacs in Sector 16-A, Faridahad from Haryana Urban Development Authority (HUDA). The allotment letter and letter of possession have been issued by HUDA to the Chapter but the possession of the plot was not handed over by HUDA due to certain old dispute over the property. The matter is being followed up by the Institute. In the unlikely event of not getting the possession of the plot or alternative plot of land, the Institute would seek refund of the amount alongwith interest from HUDA.

15.3 Vadodara Chapter.—The Vadodara Chapter has purchased a new office premises measuring 2221 sq. ft. at First Floor, Offtel Tower II, R.2C. Dutt Road, Vadodara at a cost of Rs. 10 lacs. The Chapter has taken over the possession of the new building and has started functioning from the new premises.

16. CAPIAL GRANTS AND LOANS TO THE CHAPTERS

16.1 The total grant and loan given by the Institute to its Regional Councils and Chapters for acquiring their own office premises as on 31st March, 1995 stood as follows :—

(a) Grant Rs. 85.46 lacs

(b) Loan Rs. 97.65 lacs

Even though the resources have been limited, the endeavour of the Institute has been to help and supplement the Regional Councils and Chapters in their efforts to acquire premises. A number of Regional Councils and Chapters have made a tremendous efforts to raise resources for premises|building projects. The Council places on record its appreciation of such efforts by these Regional Councils| Chapters.

17. COMPANY SECRETARIES BENEVOLENT FUND

Number of Members as on 31st March

1991	1992	1993	1994	1995
1097	1165	1309	1472	1750

The Company Secretaries Benevolent Fund has a life membership of 1750 members as on 31st March, 1995. The membership has shown a gradual increase over the years. The capital reserve and gradual reserve of the Benevolent Fund as on 31st March, 1995 stood at Rs. 10.21 lacs and Rs. 6.55 lacs respectively. With the increase in the membership, it is expected that the financial assistance in case of unfortunate demise of the life members could be increased, in future.

18. HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

In a bid to equip the existing staff members to meet the challenges of phenomenal growth in the members and students, training programmes were organised for the benefit of officers and employees at various levels. In March, 1995, an in-house management development programme titled "Managing for Excellence" was organised for the senior Officers of the Institute. In the coming year it is proposed to give more emphasis to this aspect with a view to develop the skills of the employees.

19. COMPUTERISATION OF INSTITUTE'S ACTIVITIES

Due to the phenomenal growth in the number of members and students of the Institute and general expectation of the members and students for better and faster services, the Institute has decided to computerise its activities with in-house computerisatoin. Necessary infrastructure is proposed to be created for this activity in 1995-96. As an initial step Directorates of the Institute and every Regional Council Grade "A" and "A-1" Chapters have been provided with computers alongwith printers to introduce and inculcate the culture of computerisation in the Institute.

20. FUTURE OUTLOOK

Dream of the future is said to be better than the history of the past. However, so far as the Institute and the profession of Company Secretaries are concerned while the past history has been glorious, the future holds even brighter prospects. The future is

in the hands of today's members. Exhibition of highest standards of professional ethics and morality, continuous updation of professional knowledge, sincerity in approach, dedication to achieve excellence, would put the profession on storonger and firmer pedestal. While company law would continue to provide the basic fabric around which the profession is woven, there would be other more challenging areas offering brighter prospects. There is thus a need for company secretaries to come out of their protective company law shell and unhesitatingly assume challenging roles under emerging and vital areas such as laws relating to intellectual properties, foreign collaborations and joint ventures, international arbitration, capital markets and financial services, consumer protection laws, environmental laws and the like. There is need for members to acquire deeper insights into the finer nuances of capial market and financial sector to cope up with the challenges likely to be thrown. The post-membership Diploma in capital markets and financial services, being launched by the Institute to impart the required expert knowledge to the members should prove to be overwhelmingly successful from that angle. Continuous updation of one's knowledge and fine-tuning of the skills is an utmost important necessity. The professional development programmes organised by the Institute, Regional Councils and Chapters should be used as an effective medium in this regard. Better and deeper inter-action with other corporate professionals from grassroot level of members inter se upto apex level of the concerned Institutes, both national and international would pave the way for better future for the professional to build a stronger corporate sector and thus strengthen the economy of the country. The future for the company secretaries profession is arriving not before the members are ready but at a time when the members are adequately well prepared and ready to assume wider responsibilities and face challenges with admirable ease and confidence. The Institute would also continue to concentrate its efforts wholeheartedly in obtaining international recognition for the Company Secretaries profession.

21. ACKNOWLEDGEMENTS

The Council places on record its gratitude to Ministers and Officers of the Central Government particularly the Department of Company Affairs and SEBI for their help, guidance and support to the development of the profession and activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, Financial/Industrial/Investment Institutions, corporate sector in general and various Chambers of Commerce, Trade Associations and oher agencies which have been increasingly inclined to avail of the services of members of the Institute and recognise their expertise in the field of corporate laws, finance, management and allied areas. The Council also places on record it's deep appreciation of the assistance and cooperation of Regional Councils and Chapters and of the commitment and devotion to duty exhibited by all levels of officers and staff of the Institute.

For and on behalf of the Council
of the Institute of Company Secretaries of India

New Delhi,
Date : 31st August, 1995.

U. K. CHAUDHARY, President.

APPENDIX-A

LIST OF STANDING AND NON-STANDING COMMITTEES OF THE COUNCIL FOR YEAR 1995

(I) STANDING COMMITTEES

1. Disciplinary Committee

U. K. Chaudhary	Chairman
Virender Ganda	Member
R. D. Joshi	Member

2. Examination Committee

K. R. Chandratre (Dr.)	Chairman
Girish Ahuja	Member
A. K. Modhi	Member

3. Executive Committee

U. K. Chaudhary	Chairman
K. R. Chandratre (Dr.)	Member
R. D. Joshi	Member
M. S. Raghavan	Member
Amit K. Sen	Member

(II) NON-STANDING COMMITTEES

4. Professional Development Committee

U. K. Chaudhary	Chairman
Vivek Agarwal	Member
S. D. Israni (Dr.)	Member
N. K. Jain	Member
S. K. Jain	Member
R. Krishnan	Member
D. K. Prahlada Rao	Member
S. Ramabadran	Member

5. Training and Educational Facilities Committee

K. R. Chandratre (Dr.)	Chairman
Vivek Agarwal	Member
Girish Ahuja	Member
S. K. Jain	Member
D. K. Prahlada Rao	Member
S. Ramabadran	Member

6. Regulation Committee

U. K. Chaudhary	Chairman
K. R. Chandratre (Dr.)	Member
Virender Ganda	Member
S. D. Israni (Dr.)	Member
S. S. Kumar	Member
M. S. Raghavan	Member

7. Coordination Committee
(For coordination with ICAI and ICWAI)

U. K. Chaudhary	Member
K. R. Chandratre (Dr.)	Member
N. K. Jain	Member
R. Krishnan	Member
Amit K. Sen	Member

8. Editorial Advisory board

R. Krishnan	Chairman
Sunil Chopra	Member
S. D. Israni (Dr.)	Member
P. T. S. Kumar	Member
U. P. Mathur	Member
Prof. R. S. Nigam	Member
B. K. Pal	Member
Pradip Puri	Member
Y. Venugopal Reddy (Dr.)	Member
D. P. Sharma	Member
V. K. Singhania (Dr.)	Member

9. Expert Advisory Group

Justice K. N. Singh	Chairman
R. N. Bansal	Member
S. S. Kumar	Member
D. B. Saxena	Member

10. CCRT Committee

A. K. Modi	Chairman
N. L. Bhatia	Member
S. D. Israni (Dr.)	Member
S. K. Jain	Member
P. P. Mistry (Dr.)	Member
Pramod S. Shah	Member
Chairman, WIRC	Member
Office Bearers of WIRC	Members
S. P. Narang (Dr.)	Member-Secretary

Ex-officio Members
President, ICSI
Vice-President, ICSI

APPENDIX-B

PROFESSIONAL DEVELOPMENT PROGRAMMES, SEMINARS AND CONVENTIONS—1994-95

(a) One day seminar on Euro Issues—April 29, 1994 at New Delhi. 352 delegates participated.

(b) One day seminar on Policy and Procedures relating to operations by FIIs, FDIs in India jointly with ASSOCHAM—July 2, 1994 at Calcutta. 122 delegates participated.

(c) 22nd National Convention of Company Secretaries on New Frontiers of International Business and Company Secretaries—August 11-13, 1994 at Goa. Nearly 550 delegates participated.

(d) National Seminar on Emerging Capital markets and Corporate Restructuring jointly with FICCI—November 11-12, 1994 at New Delhi. 129 delegates participated.

(e) Professional Development Programme on Selected Legal and Procedural aspects relating to Govt. Companies jointly with Department of Public Enterprises—December 22-23, 1994 at Bangalore. 39 delegates participated.

(f) Professional Development Programme on Corporate Finance and Law jointly with the Institute of Chartered Accountants of India—March 24-25, 1995 at Chandigarh 115 delegates participated.

APPENDIX-C

LIST OF EXISTING EXAMINATION CENTRES

1. AHMEDABAD
2. ALLAHABAD
3. BANGALORE
4. BARODA
5. BHOPAL
6. BHUBANESHWAR
7. BOMBAY—I
8. BOMBAY—II
9. BOMBAY—III
10. CALCUTTA—I
11. CALCUTTA—II
12. CHANDIGARH
13. COIMBATORE
14. DELHI
15. ERNAKULAM
16. GHAZIABAD
17. GUWAHATI
18. HYDERABAD
19. INDORE
20. JAIPUR
21. JAMMU
22. JAMSHEDPUR
23. JODHPUR
24. KANPUR
25. LUCKNOW
26. LUDHIANA**
27. MADRAS
28. MADURAI
29. MANGALORE
30. NAGPUR
31. PANAJI
32. PATNA
33. PONDICHERRY
34. PUNE
35. SHIMLA
36. TIRUCHIRAPALLI
37. THIRUVANANTHPURAM
38. VISAKHAPATNAM
39. OVERSEAS CENTRE : DUBAI

For June session of examination only.

Experimental centre from December, 1994 session onward.

APPENDIX-D

STATISTICS ON STUDENTS APPEARED AND PASSED IN EXAMINATIONS

I—June 1994 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass %age
1. Foundation	948	347	36.60
2. Intermediate*			
(a) Group-I	4447	1129	25.38
(b) Group-II	5403	1419	26.26
3. Final**			
(a) Group-I	1190	477	40.08
(b) Group-II	1426	587	41.16

*2914 candidates appeared for both the groups out of whom 635 candidates passed both groups (21.79%).

**750 candidates appeared for both the groups out of whom 132 candidates passed both groups (17.60%).

II—December 1994 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass %age
1. Foundation	2534	821	32.28
2. Intermediate*			
(a) Group-I	4908	1182	24.08
(b) Group-II	5658	1539	27.20
3. Final**			
(a) Group-I	1385	572	41.29
(b) Group-II	1617	740	45.76

*2611 candidates appeared for both the groups out of whom 354 candidates passed both groups (13.55%).

**778 candidates appeared for both the groups out of whom 162 candidates passed both groups (20.82%).

KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants
706 Akash Deep, 26-A, Barakhamba Road
P.O. Box 648, New Delhi 110 001
Tele. : 3315110, 3315119 □ Grams : ALERT, New Delhi

Auditors Report

We have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 1995 and also the annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date and report that :

(a) We have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

(b) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of account; and

(c) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements read with notes attached thereto or appearing thereon, give a true and fair view :

(i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, 1995; and

(ii) in the case of the Income and Expenditure Account, of the Surplus for the year ended on that date.

for KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.N. NAG)
Partner

Place : New Delhi
Dated : 31 August, 1995

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 1995

Particulars	Schedule	31st March, 1995			31st March, 1994		
		(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
Sources of Funds							
Capital Reserve	1			3,352,625			3,081,825
Fixed Assets Reserve	2			—			—
General Reserve	3			64,722,482			43,136,527
Scientific Research Reserve	4			1,168,340			—
Total				69,243,447			46,218,352
Application of Funds							
Fixed Assets	5						
Gross Block		39,920,455			35,894,142		
Less : Depreciation		9,557,473	30,362,982		7,551,591	28,342,551	
Add : Advance for purchase of land						300,000	
Buildings under construction			2,819,154	33,182,136		604,774	29,247,325
Investments	6			10,977,138			5,570,025
Current Assets, Loans and Advances							
Current Assets	7						
Interest accured on investments		1,332,332			2,38,327		
Stock in hand		7,954,074			5,629,813		
Sundry Debtors		446,346			231,656		
Cash and bank balances		21,477,024	31,209,776		10,148,341	16,248,137	
Loans and Advances	8		9,916,239			8,424,683	
			41,126,015			24,672,820	
Less : Current Liabilities and Provisions	9						
Current Liabilities		16,041,842			13,271,818		
Provisions		—			—		
			16,041,842			13,271,818	
				25,084,173			11,401,002
TOTAL				69,243,447			46,218,352
Accounting Policies and Notes to financial Statements	15						

As per our report of even date
For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.N. NAG)	(Dr. S.P. NARANG)	(Dr. K.R. CHANDRATRE)	(U.K. CHAUDHARY)
Partner	Secretary	Vice-President	President

Place : New Delhi
Dated : 31 August, 1995

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1995

Particulars	Schedule	1994-95 (Rs.)	1993-94 (Rs.)
INCOME			
Fees from Members and Students			
Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements	10	59,393,192	37,441,484
Sale of Publications		1,978,970	1,771,767
Interest on Investments (Gross-Tax deducted at source 'Nil')		4,769,529	2,923,965
Income from Programmes		2,959,981	1,600,584
Other Incomes		2,651,625	2,319,047
	11	102,229	294,776
TOTAL :		71,855,526	46,351,623
EXPENDITURE			
Establishment			
Postal Tuition	12	14,959,414	13,088,279
Publications and Office stationery		9,377,381	5,946,169
Journal and Bulletin		2,731,424	1,648,527
Examinations		4,040,228	3,226,533
Communication		2,744,172	1,886,990
Grants to Regional Councils and Chapters	13	2,701,296	2,061,590
Travelling and Conveyance		2,184,002	1,087,709
Regional Offices		1,498,739	1,413,365
Depreciation		342,998	285,528
Students Scholarships and Awards	5	2,122,335	1,672,368
Professional Development Programmes and Training		89,400	52,775
Silver Jubilee		2,184,031	2,298,080
Foundation Course Launch		—	110,220
Election		781,810	590,993
Other Expenses		436,423	—
	14	5,088,986	2,715,618
		51,282,639	38,084,744
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		20,572,887	8,266,879
TOTAL :		71,855,526	46,351,623

As per our report of even date

For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

(K.N. NAG)
Partner

(Dr. S.P. NARANG)
Secretary

(Dr. K.R. CHANDRATRE)
Vice-President

(U.K. CHAUDHARY)
President

Place : New Delhi
Dated : 31st August, 1995

SCHEDULE 1

CAPITAL RESERVE

	31st March, 1995 (Rs.)		31st March, 1994 (Rs.)	
As per last Balance Sheet		3,081,825		2,872,225
Add : Entrance Fees				
Associate Members	225,600		175,200	
Fellow Members	45,200	270,800	34,400	209,600
TOTAL :		3,352,625		3,081,825

SCHEDULE 2

FIXED ASSETS RESERVE

	31st March, 1995 (Rs.)			31st March, 1994 (Rs.)		
(A) LAND :						
Contribution from Regional Councils/Chapters		—			597,250	
Less : Transferred to General Reserve		—	—		597,250	—
(B) LAND AND BUILDINGS :						
As per last Balance Sheet	—					
Add : Contribution from Regional Councils/ Chapters	761,785			5,836,188		
Donations (direct)	250,000	1,011,785		183,253	6,019,441	
Less : Transferred to General Reserve						
Contribution from Regional Councils/ Chapters	761,785			5,836,188		
Construction cost borne by the Institute	250,000	1,011,785	—	183,253	6,019,441	—
(C) OTHER ASSETS :						
Contribution from Regional Councils/Chapters		1,283			7,562	
Less : Transferred to General Reserve		1,283			7,562	
			—			—
TOTAL :			0			0

SCHEDULE 3

GENERAL RESERVE

	31st March, 1995 (Rs.)		31st March, 1994 (Rs.)	
1	2	3	4	5
As per last Balance Sheet		43,136,527		28,917,556
Add : Transfer From Fixed Assets Reserve				
—Land	1,011,785		6,616,691	
—Other Assets	1,283	1,013,068	7,562	6,624,253
		44,149,595		35,541,809

1	2	3	4	5
Less : Additional grant to Regional Councils/Chapters upon conversion of building loans		—		672,161
		44,149,595		34,869,648
Add : Surplus as per Income and Expenditure Account		20,572,887		8,266,879
TOTAL :		64,722,482		43,136,527

SCHEDULE 4

SCIENTIFIC RESEARCH RESERVE*

	31st March, 1995 (Rs.)	31st March, 1994 (Rs.)
Donations received	1,080,518	
Interest on funds earmarked	17,145	
Contribution by Western India Regional Council	70,677	
TOTAL :	1,168,340	0

*Created in view of the sanction accorded under section 35(1)(iii) of the Income Tax Act, 1961.

FIXED ASSETS

Items	GROSS BLOCK			
	Cost as on 1-4-94	Additions during the year	Sales/Adjustment during the year	Total cost as on 31-3-1995
Land	5,019,653	138,236	—	5,157,889
Buildings	24,492,551	1,352,891	—	25,845,442
Cycle/Scooter Shed	19,993	—	—	19,993
Furniture and Fixtures	1,453,169	260,624	23,535	1,690,258
AC Installations and Coolers	941,312	63,626	14,187	990,751
Computers and Printers	924,165	1,270,559	—	2,194,724
Electrical Equipment	238,385	116,088	3,300	351,173
Office Equipment	1,376,608	848,534	89,696	2,135,446
Other Equipment	21,608	5,587	1,275	25,920
Library Books	1,151,483	115, 820	14,587	1,252,716
Vehicles	255,215	928	—	256,143
This Year Total	35,894,142	4,172,893	146,580	39,920,455
Previous Year Total	19,468,502	16,440,465	14,825	3,894,142
Advance for purchase of land	300,000	—	—	300,000
Buildings under construction (including advances)	604,774	1,516,453	–	2,121,227
Scientific Research Project	—	397,927	—	397,927
This Year Total	904,774	1,914,380	0	2,819,154
Previous Year Total	8,923,572	7,290,829	15,309,627	904,774

Schedule 5

(in Rupees)

DEPRECIATION				NET BLOCK	
As on 1-4-94	For the year	Adjustment during the year	Total depreciation	As on 31-3-95	As on 31-3-94
—	—	—	0	5,157,889	5,019,653
3,727,813	1,108,684	—	4,836,497	21,008,945	20,764,738
19,839	51	—	19,890	103	154
953,467	263,197	18,497	1,198,167	492,091	499,702
729,811	42,790	12,663	759,938	230,813	211,501
262,038	299,509	—	561,547	1,633,177	662,127
139,506	45,534	2,536	182,504	168,669	98,879
804,243	230,946	68,931	966,258	1,169,188	572,365
14,719	6,593	1,093	20,219	5,701	6,889
796,517	93,787	12,733	877,571	375,145	354,966
103,628	31,244		134,882	121,261	151,577
7,551,591	2,122,335	116,453	9,557,473	30,362,982	28,342,551
5,891,804	1,672,368	12,581	7,551,591	28,342,551	
—	—	—	—	300,000	300,000
—	—	—	—	2,121,227	604,774
—	—	—	—	397,927	—
—	—	—	—	2,819,154	904,774
—	—	—	—	904,774	—

Schedule 6

INVESTMENTS—AT COST

	31-3-1994 (Rs.)	Additions (Rs.)	Deletions (Rs.)	31-3-1995 (Rs.)
Bonds of Public Sector Undertakings				
610 13% Bonds of Rs. 1000 each of National Thermal Power Corpn. Ltd.	517,917	—	—	517,917*
4900 17% Bonds of Rs. 1000 each of Mahanagar Telephone Nigam Ltd.	4,980,000	—	195,200	4,784,800
2 13% Bonds of Rs. 1000 each of Hindustan Photofilms Mfg. Co. Ltd.	10,000*	—	—	10,000*
20 13% Bonds of Rs. 1000 each of National Hydro-Power Corporation Ltd.	20,000*	—	20,000	
317080 Units of the Unit Trust of India (US = 64 Scheme)	42,108	5,622,313	—	5,664,421*
TOTAL	5,570,025	5,622,313	215,200	10,977,138

Note: Market value of Bonds of Public Sector Undertakings as on 31-3-1995 is not available.

*10 Bonds of Rs. 1000 each of 13% National Thermal Power Corpn. Ltd.,

2 Bonds of Rs. 5000 each of 13% Hindustan Photofilms Ltd. and

2550 Units under US-64 Scheme of Unit Trust of India (Rs. 42,108) are earmarked for Prize Awards.

3200 Units valued at Rs. 57,200 are yet to be received from UTI

As on 31-3-1995, the resale value of Units under US-64 Scheme of Unit Trust of India was Rs. 56,91,587.

Schedule 7

CURRENT ASSETS

	31st March, 1995 (Rs.)			31st March, 1994 (Rs.)		
INTEREST ACCRUED ON INVESTMENTS			1,332,332			238,327
STOCK						
(Valued at or below cost as certified by the Management)						
(a) Publications		1,321,873			820,082	
(b) Paper		3,917,292			2,669,146	
(c) Study Material		2,180,492			1,620,541	
(d) Others		534,417	7,954,074		520,044	5,629,813
SUNDRY DEBTORS (Unsecured)						
(a) Considered good						
Outstanding for more than six months		8,075			22,970	
Others		438,271			208,686	
		446,346			231,656	
(b) Considered doubtful	7,620			2,300		
Less : Provision for Bad and Doubtful Debts	7,620	—	446,346	2,300	—	231,656
CASH AND BANK BALANCES						
(a) Cash, Cheques, Drafts, Postal Stamps in hand		285,693			375,011	
(b) With Scheduled banks						
—In savings bank accounts	4,358,731*			4,140,730		
—In short term deposits	7,100,000			5,600,000		
—In long term deposits (including Rs. 32,600 for Prize Awards)	9,732,600	21,191,331	21,477,024	32,600	9,773,330	10,148,341
TOTAL			31,209,776			16,248,137

*Includes Rs. 1,32,177 earmarked against Scientific Research Project

Schedule 8

LOANS AND ADVANCES (UNSECURED—CONSIDERED GOOD)

	31st March, 1995 (Rs.)		31st March, 1994 (Rs.)	
LOANS				
Regional Councils/Chapters for Buildings		7,150,158		6,375,189
ADVANCES				
Employees	1,431,430		1,241,549	
Regional Councils/Chapters	86,126		—	
Others	677,577	2,195,133	217,046	1,458,595
PREPAID EXPENSES		339,542		365,308
SUNDRY DEPOSITS		231,406		225,591
TOTAL		9,916,239		8,424,683

Schedule 9

CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

	31st March, 1995 (Rs.)		31st March, 1994 (Rs.)	
LIABILITIES				
Students Registration fee received in advance		10,025,794		8,123,167
Other amounts received in advance		90,764		221,435
Payable to Regional Councils/Chapters		486,776		591,567
Sundry Creditors		302,139		349,892
Expenses Payable		4,566,140		3,170,697
Hospitalisation Scheme		75,063		62,200
Benevolent Funds				
Company Secretaries	—		47,902	
Employees	9,062	9,062	15,674	63,576
Deposits for prize awards (per contra)		207,500		161,500
Donations Reallocable		58,734		73,611
Gratuity Trust		219,870		439,740
Pension Trust		—		14,433
TOTAL		16,041,842		13,271,818

Schedule 10

FEES FROM MEMBERS AND STUDENTS

	1994-95 (Rs.)		1993-94 (Rs.)	
MEMBERS				
Annual Fees	2,625,508		2,430,805	
Other Fees	26,600	2,652,108	19,150	2,449,955
STUDENTS				
Registration Fees	9,233,260		5,559,216	
Exemption Fees	2,644,318		1,599,416	
Postal Tuition Fees	36,012,422		21,680,974	
Examination Fees	8,675,127		5,799,668	
Licentiate Fees	133,898		114,220	
Other Fees	43,059		238,035	
		56,741,084		34,991,529
TOTAL		59,393,192		37,441,484

Schedule 11

OTHER INCOME

	1994-95 (Rs.)	1993-94 (Rs.)
Interest on staff advances	57,162	33,069
Export advisory services	—	5,000
Donations	—	2,000
Excess provision written back	—	196,667
Surplus on disposal of assets	—	5,899
Miscellaneous Income	27,017	52,141
Profits on sale of investments	18,050	—
TOTAL	102,229	294,776

Schedule 12

ESTABLISHMENT

	1994-95 (Rs.)	1993-94 (Rs.)
Salaries and Allowances	13,230,265	11,147,616
Contribution to Provident Fund	443,548	411,611
Gratuity Fund	205,701	188,260
Pension Fund	134,928	492,901
Staff Welfare	944,972	847,891
TOTAL	14,959,414	13,088,279

Schedule 13

COMMUNICATION

	1994-95 (Rs.)	1993-94 (Rs.)
Postage and Telegrams	2,160,556	1,334,234
Telephone , Fax and Telex	540,740	727,356
TOTAL	2,701,296	2,061,590

Schedule 14

OTHER EXPENSES

	1994-95 (Rs.)		1993-94 (Rs.)	
Advertisement and Publicity		527,551		98,085
Bank Charges		41,684		25,978
Electricity and Water		830,181		437,657
Insurance		33,429		22,251
Rent, Rates and Taxes		1,362,874		201,530
Repairs and Maintenance				
—Building	130,167		534,790	
—Others	269,634	399,801	208,596	743,386
Legal and Professional charges		246,579*		136,636
Vehicle Maintenance		100,263		66,373
Office Expenses		463,161		369,930
Computerisation				
—Data processing	277,154		200,668	
—Software	32,120	309,274	12,400	213,068
Meetings		136,883		96,499
Packing, Cartage and Freight		409,276		276,177
Loss on Sale/Disposal of Assets		8,460		—
Security Services		129,323		56,976
Audit Fees		—		15,000
Sundry Expenses		20,000		54,622
Provision for Bad and Doubtful Debts		5,320		1,450
Interest Paid		64,927		—
TOTAL		5,088,986		2,715,618

*Includes Rs. 27,000 (Last year Rs. 9,000 to Internal Auditors)

SCHEDULE 15

Accounting Policies and Notices to Financial Statements

(A) Accounting Policies

1. Donations and Contribution by Regional Councils|Chapters

Direct donations and contribution by Regional Councils|Chapters | towards purchase of land buildings and other assets are credited to "Fixed Assets Reserve". Funds actually utilised towards purchase of such assets are transferred to "General Reserve".

2. Fees

(a) Entrance fee from Associate and Fellow members is capitalised when received and reflected under "Capital Reserve".

(b) Fees received from members is accounted for to the extent received. Fees received in advance is carried over as a liability.

(c) Fees received from students is accounted for on receipt basis except registration fee which is taken to income equally over a five year period.

3. Investments

Investments are stated at cost.

4. Fixed Assets

(a) Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates.

	%
Building	5
Furniture and Fixtures	10
Air Conditioners|Coolers, Computers and Other Equipments	15
Library books	20
Vehicles	20
Sheds	33-1|3

Depreciation on additions is charged for the full year.

(b) Fixed assets, except library books, costing Rs. 5,000 or less are fully depreciated.

5. Investories

(a) Stock of paper and publications are valued at cost.

(b) Stock of study materials are valued at cost less 10 per cent for obsolescence.

6. Pension

Contribution to Pension Fund Trust is made on the basis of actuarial valuation.

7. Gratuity

Contribution to Gratuity Trust is made in accordance with the Group Gratuity Scheme of the Life Insurance Corporation of India.

8. Interest

(a) Interest on investments on cumulative Bonds of Public Sector Undertakings and other investments is taken to income on accrual basis.

(b) Interest earned on investment of surplus funds against fixed assets as a part of overall investment of funds is calculated on the basis of average funds available during the year and credited to Fixed Assets Reserve.

(c) Interest on loan to employees is accounted for on cash basis.

(B) Notes to Financial Statements

1. Application for exemption u|s 10(23C)(IV) of the Income Tax Act, 1961, in respect of the year ended 31-3-1989 and subsequent years is pending for reconsideration before the Government of India. The Institute has filed Return u|s 10(22) of the Income Tax Act 1961 in respect of Financial years 1991-92 to 1993-94. Assessment for the years 1991-92 and 1992-93 have been completed at 'Nil' income. Assessment for the year 1993-94 is pending. In view of the assessments completed no provision for tax has been made in the accounts.

2. In respect of building constructed at Prasad Nagar, New Delhi, the Arbitrator vide his order dated 7-9-93 has awarded a sum of Rs. 12.67 lacs plus interest @ 12 per cent per annum on Rs. 6.07 lacs (included in Rs. 12.67 lacs) from 10th September 91 to 7th September, 1993, in favour of he contractors against claims of Rs. 57.21 lacs preferred against the Institute. The Delhi High Court on an objection filed by the Institute have referred the matter to the Arbitrator with directions to summon the Building Advisor for the evidence and to refer it back with recommendations. During the year, the Institute paid Rs. 3.08 lacs (including Rs. 0.65 lacs towards interest) to the said contractor for claims accepted. No provision has been made for Rs. 10.18 lacs (excluding interest to be paid on Rs. 3.5 lacs) as the award to this extent has been disputed and the matter is pending decision before the High Court.

3. Free hold land measuring 500 sq. yards has been allotted by the Haryana Urban Development Authority at Faridabad to Faridabad Chapter of the Institute at Rs. 3.65 lacs which may be enhanced subject to the cost of land awarded by the competent authority|courts under the Land Acquisitio Act. Advances made to the extent of Rs. 3 lacs is reflected in Advances for purchase of land in the Institute's books and Rs. 0.65 lacs in the books of the Chapter.

4. Provision for Property tax at Rs. 10 lacs has been made in the accounts on the basis of an estimate made by the Institute. The difference, if any, between the amount provided and that becomes payable will be accounted for in the year when the matter is finally decided.

5. A fire broke out in the premises of the Institute on 14th December, 1994 resulting in damage to a part of the building and destruction of some of the items of Furniture and Fixtures, Electric Fittings, Air Conditioners and Office Equipment. A claim of Rs. 5.25 lacs has been preferred on the Insurance Company which is yet to be settled. However, the written down value of Rs. 38,121 of the assets destroyed continues to be shown under Fixed Assets as it is proposed to write it off in the year 1995-96 against the claim received.

6. Previous years figures have been regrouped/rearranged wherever necessary to compare with current year's figures.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1995